WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 245 | लखनऊ, मंगलवार, 25 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने 6 पैक एब्स दिखाए

कोविड मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्पित: योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य सरकार सभी कोविड मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्पित है। इसके दृष्टिगत कोविड चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखा जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि मरीजों को प्रत्येक दशा में गुणवत्तायुक्त इलाज की सुविधा मिले। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। कोविड चिकित्सालयों में बेड्स की संख्या में वृद्धि के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि यह बढ़ोत्तरी इस प्रकार की जाए, जिससे सरप्लस बेड्स का प्रबन्ध हो सके। उन्होंने कहा कि बेड्स की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ इसके लिए सभी आवश्यक मेडिकल उपकरणों एवं मानव संसाधन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी

जनपदों में इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेण्टर पूरी सक्रियता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि होम आइसोलेशन में रहने वाले कोविड मरीजों से इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेण्टर के माध्यम से नियमित संवाद बनाकर उनके स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी प्राप्त की जाए। '108' तथा ए0एल0एस0 एम्बुलेंस सेवाओं के वाहनों को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए। उन्होंने जनपद लखनऊ तथा कानपुर नगर में विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि इन जिलों में चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग के माध्यम से कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित करने में मदद मिल रही है। इसके दृष्टिगत अधिक से अधिक कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि यह कार्य अत्यन्त सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न किया जाए। उन्होंने डोर-टू-डोर सर्वे कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इस सम्बन्ध में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त टीमों का गठन किया जाए। उन्होंने डोर-टू-डोर सर्वे करने वाले टीम्स के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक किसान को उसकी जरूरत के अनुसार समय से खाद प्राप्त हो। खाद की कालाबाजारी कर किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वाले लोगों के खिलाफ प्रदेश सरकार सख्ती से पेश आएगी। उन्होंने कहा कि खाद की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध एन0एस0ए0 के अन्तर्गत भी कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश वृद्धि के लिए निवेशकों से लगातार संवाद बनाए रखा जाए। निवेशकों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में अतिवृष्टि से कई क्षेत्रों में बरसात का पानी एकत्र हो जाने से लोगों को

➲ मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे

असुविधा होती है। इस समस्या के समाधान के लिए ऐसा सिस्टम विकसित किया जाए, जिससे जलभराव न हो सके। उन्होंने इस सम्बन्ध में एक कार्ययोजना बनाकर उसे क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

कांग्रेस अध्यक्ष बनी रहेंगी सोनिया

कहा- पार्टी फोरम पर ही रखें चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक सात घंटे चलने के बाद सोमवार शाम को खत्म हो गई। इस बैठक में फैसला लिया गया है कि फिलहाल सोनिया गांधी ही कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष बनी रहेंगी। हालांकि, रोजाना के कामकाज में सोनिया गांधी की मदद के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। नेतृत्व के मुद्दे पर कांग्रेस के दो खेमों में नजर आने की स्थिति बनने के बीच पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारण इकाई सीडब्ल्यूसी की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुई। बैठक में फैसला हुआ कि अगले छह महीने के बाद फिर से सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई जाएगी। तब तक के लिए सोनिया गांधी ही पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष रहेंगी। सोनिया गांधी ने बैठक के खत्म होने के समय कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को पार्टी फोरम पर ही चिंता व्यक्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस एक बड़ा परिवार है और मैं किसी के खिलाफ कुछ भी नहीं बोल रही। लेकिन सभी, विशेष रूप से वरिष्ठ नेताओं को पार्टी फोरम पर ही अपनी चिंता व्यक्त करनी चाहिए। बैठक के बाद पार्टी नेता पीएल पूनिया ने कहा, सदस्यों ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी में विश्वास व्यक्त किया और उनसे पार्टी का नेतृत्व जारी रखने के लिए आग्रह किया। इस पर वह सहमत हो गईं। अगली बैठक जल्द ही बुलाई जाएगी। हो सकता है कि यह छह महीने के भीतर ही बैठक हो, तब तक के लिए सोनिया गांधी ही अंतरिम अध्यक्ष बनी रहेंगी। इससे पहले, सोनिया गांधी ने बैठक में सुबह पद छोड़ने की पेशकश की थी और कहा था कि सीडब्ल्यूसी नया अध्यक्ष चुनने के लिए प्रक्रिया आरंभ करे। सूत्रों के अनुसार, सीडब्ल्यूसी की बैठक शुरू होने के बाद सोनिया गांधी ने कहा था कि वह अंतरिम अध्यक्ष का पद छोड़ना चाहती हैं और उन्होंने संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल को विस्तृत जवाब भेजा है। एक सूत्र ने कहा कि इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कुछ अन्य नेताओं ने उनसे आग्रह किया कि वह पद पर बनी रहें।

प्रशांत ने माफी मांगने से किया इंकार

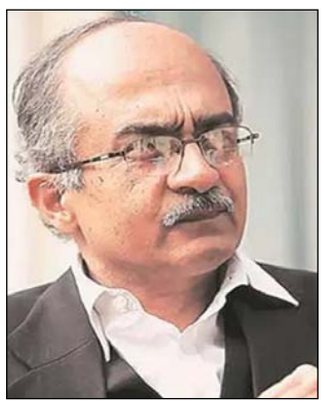

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के नामी वकीलों में शुमार प्रशांत भूषण के लिए मुसीबतें बढ़ती जा रही है...कोर्ट ने प्रशांत भूषण को अवमानना का दोषी मानते 24 अगस्त तक माफी मांगने के समय दिया था...आज माफी मांगने का आखिरी दिन था...लेकिन प्रशांत भूषण ने अपना निर्णय कर लिया है ... अब देखना होगा कि कोर्ट क्या रूख अपनाता है...सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण को अवमानना का दोषी माना है ...इसके लिए उन्हे 6 महीने की सजा, जुर्माना या फिर दोनों हो सकते है...सुप्रीम कोर्ट की अवमानना मामले में माफी मांगने के लिए प्रशांत भूषण के पास आज आखिरी दिन था...कोर्ट ने भूषण को बिना शर्त 24 अगस्त तक माफी मांगने की मोहलत दी थी। बता दें कि जून 2020 में प्रशांत भूषण ने मुख्य न्यायाधीश पर अपने ट्वीट के जरिए टिप्पणी की थी और साथ ही कुछ अन्य न्यायाधीशों की भी आलोचना की थी। उनके ट्वीट के बाद कोर्ट ने उन्हें अवमानना का दोषी ठहराया और माफी मांगने की मोहलत दी थी । कोर्ट का कहना था कि भूषण के ट्वीट से कोर्ट की गरिमा को धक्का लगा है। आज माफी मांगने का आखिरी दिन था लेकिन प्रशांत भूषण ने बिना शर्त माफी मांगने से इनकार कर दिया है. उनका कहना है उनके बयान सद्भावनापूर्ण थे और अगर वे माफी मांगेंगे तो ये उनकी अंतरात्मा और उस संस्थान की अवमानना होगी जिसमें वो सर्वोच्च विश्वास रखते हैं। इससे पहले अटकलें लगाई जा रही थीं कि प्रशांत भूषण अगर माफीनामा जमा करते हैं तो उस पर 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर सकता है। आपको बता दें कि पहले भी प्रशांत भूषण ने माफी मांगने से इंकार किया था और अपने बयान में कहा था कि मैं इस बात से दुखी हूं कि मेरी बात को समझा नहीं गया। मुझे मेरे बारे में की गई शिकायत की कॉपी भी उपलब्ध नहीं करवाई गई। मैं सजा पाने को लेकर चिंतित नहीं हूं। मैंने संवैधानिक जिम्मेदारियों के प्रति आगाह करने वाला ट्वीट कर नागरिक के रूप में अपना कर्तव्य निभाया है अब प्रशांत भूषण ने माफी मांगने से इंकार कर दिया है तो देखना होगा कि कोर्ट आगे की कार्रवाई कैसे करेगा।

पीएम केयर्स फंड से बिहार में दो कोरोना अस्पताल

नयी दिल्ली, एजेंसी। बिहार में कोरोना महामारी के बढते प्रकोप के बीच पीएम केयर्स फंड से राज्य के दो शहरों में 500 बिस्तरों वाले कोविड अस्पताल बनाये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आज ट्विट कर कहा कि पी एम केयर्स फंड न्यास ने पटना और मुजफ्फरपुर में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा बनाये जा रहे दो अस्थायी कोविड अस्पतालों के लिए सहायता राशि देने का निर्णय लिया है। पीएमओ ने ट्विट किया है , पीएम केयर्स फंड ट्रस्ट ने पटना और बिहार में डीआरडीओ द्वारा स्थापित किये जा रहे 500 -500 बिस्तरों वाले अस्थायी कोरोना अस्पतालों के लिए सहायता राशि जारी करने का निर्णय लिया है। इससे बिहार में कोरोना से संक्रमित लोगों की देखभाल में काफी मदद मिलेगी। एक अन्य ट्विट में कहा गया है, इन अस्पतालों में से प्रत्येक में 125 आईसीयू बिस्तर और 375 सामान्य बिस्तर होंगे।

कोरोना संक्रमण के मामले 31 लाख के पार

स्वस्थ होने वाले 23.38 लाख

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना महामारी की विकरालता थमने का नाम नहीं ले रही है और पिछले 24 घंटों में 61 हजार से अधिक नये मामलों के साथ संक्रमण का आंकड़ा 31 लाख से पार हो गया हालांकि इस बीमारी से स्वस्थ होने की संख्या में भी इजाफा हो रहा है तथा अब तक 23.38 लाख से ज्यादा लोग कोरोना मुक्त हो चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार की सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 61,408 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 31,06,348 हो गया। इसी दौरान 57,469 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 23,38,035 हो गयी है। सक्रिय मामलों में 3103 की वृद्धि होने से यह संख्या 7,10,771 हो गयी है। देशभर में पिछले 24 घंटों के दौरान 836 कोरोना संक्रमितों की मौत होने से मृतकों की संख्या 57,542 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 22.88 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 75.27 प्रतिशत है जबकि मृतकों की दर 1.85 प्रतिशत है। कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या सबसे अधिक 2026 बढ़कर 1,71,859 हो गयी तथा 258 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 22,253 हो गया। इस दौरान 8157 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,88,271 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 353 बढ़ने से सक्रिय मामले 89,742 हो गये। राज्य में अब तक 3282 लोगों की मौत हुई है, वहीं 7449 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 2,60,087 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। इसके बाद ओडिशा में मरीजों की संख्या 854 बढ़ने से सक्रिय मामले 23,715 हो गये। राज्य में 2129 लोगों के स्वस्थ होने से रोगमुक्त लोगों की संख्या 54,406 हो गयी है जबकि 409 लोगों की मौत हुई है। केरल में 793 और नये मरीजों के आने से सक्रिय मामले बढ़कर 20,394 हो गये तथा 1110 लोगों के स्वस्थ होने से ठीक हुए लोगों की संख्या बढ़कर 37,645 हो गयी है।

प्रणव के स्वास्थ्य में परिवर्तन नहीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के स्वास्थ्य में सोमवार को भी कोई परिवर्तन नहीं दिखा और वह गहरी कोमा अवस्था में वेंटिलेटर पर हैं। नयी दिल्ली स्थित सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल की तरफ से आज सुबह पूर्व राष्ट्रपति की सेहत के संबंध में जारी बुलेटिन में कहा गया, पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की सेहत में आज सुबह कोई परिवर्तन नजर नहीं आया। वह गहरी कोमा अवस्था में हैं और उनका श्वास संबंधी संक्रमण का उपचार चल रहा है। अस्पताल की तरफ से 20 अगस्त को बताया गया था कि पूर्व राष्ट्रपति के स्वास्थ्य में सुधार के लक्षण हैं किंतु उसके बाद से उनकी सेहत फिर यथावत बनी हुई है। चौरासी साल के श्री मुखर्जी की तबीयत बिगड़ने के बाद 10 अगस्त को नयी दिल्ली स्थित सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पाक सेना ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी में एलओसी के पास गोलाबारी की

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम इलाकों में पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को गोलीबारी की और मोर्टार से गोले दागे। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय सेना ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने बताया कि सुंदरबनी सेक्टर में सीमा पार से गोलीबारी और गोलाबारी अपराह्न डेढ़ बजे शुरू हुई और आखिरी रिपोर्ट मिलने तक जारी थी। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने बिना किसी उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार से गोले दागकर संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया।श् प्रवक्ता ने बताया कि भारत की ओर किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में कार के खाई में गिरने से दो लोगों की मौत

जम्मू जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में एक कार के गहरी खाई में गिरने से एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। वहीं महिला के पति और उनकी दो बेटियां जख्मी हो गईं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह घटना दग्गन टॉप पर हुई। रविवार शाम में गूल से जुड़ु अर्नास जाने के दौरान घने कोहरे की वजह से चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया। उन्होंने बताया कि कार 60 फुट गहरी खाई में जा गिरी, जिसकी वजह से 24 वर्षीय चालक रेयाज अहमद और 28 वर्षीय समीना अख्तर की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि अख्तर के पति मोहम्मद शकील, उनकी छह साल की बेटी मायरा और आठ महीने की बच्ची मेहर को घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया।

बसपा विधायकों के कांग्रेस में विलय मामले में विधानसभा अध्यक्ष को मामला तय करने के आदेश

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान उच्च न्यायालय ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के छह विधायकों के कांग्रेस में विलय के मामले में विधानसभा अध्यक्ष को मामला तय करने के आदेश दिया है। न्यायमूर्ति महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मदन दिलावर की याचिका का निस्तारण करते हुए आज यह आदेश दिए। न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष डा सी पी जोशी को मामला तय करने के निर्देश दिये हैं। न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष द्वारा श्री दिलावर की याचिका को रद्द किये जाने के आदेश को भी अपास्त किया। उल्लेखनीय है कि श्री दिलावर ने बसपा विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष याचिका लगाई, जिसे अध्यक्ष ने खारिज कर दिया था। इसके बाद श्री दिलावर ने इसे न्यायालय में चुनौती दी।

रणदीप सुरजेवाला ने कहा, राहुल गांधी ने कुछ गलत नहीं बोला

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लिखे पत्र पर मचे बवाल के बीच पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कार्य समिति की बैठक में पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के पत्र लिखने वाले नेताओं के लिए कड़े शब्दों के इस्तेमाल पर पार्टी संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि श्री गांधी ने किसी भी नेता के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है। श्री सुरजेवाला ने ट्वीट किया ÷श्री राहुल गांधी ने किसी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। कृपया मीडिया में गलत और गुमराह करने वाली सूचना देने का काम नहीं करें। लेकिन इस वक्त हमें परस्पर लड़ने तथा एक दूसरे को आहत करने और कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने की बजाय मोदी सरकार की कुरीतियों के खिलाफ मिलकर लड़ना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता का यह बयान पार्टी अध्यक्ष को पत्र लिखने वाले नेताओं में शामिल वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा कि वह श्री गांधी के भाजपा के साथ सांठगांठ करने के आरोप से बहुत आहत हैं। कार्य समिति में मचे घमासान का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इससे पहले श्री सुरजेवाला अक्सर बैठक के बीच की खबरें ह्वाटसअप कर मीडिया को भेजते थे लेकिन आज सुबह से हो रही बैठक के दौरान उन्होंने कोई सूचना बाहर नहीं दी है। उनकी खामोशी यही इशारा करती है कि बैठक में घमासान मचा रहा। इस बीच खबरें हैं कि श्रीमती गांधी, राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के प्रति बैठक में नाराजगी का इजहार किया है। उनका कहना था कि पत्र लिखने और उसे मीडिया में लीक करने का यह उचित समय नहीं है।

वैष्णो देवी तीर्थयात्रा के लिए कोरोना निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी

जम्मू, एजेंसी। वैष्णो देवी तीर्थयात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर के बाहर से आने वाले यात्रियों को तीर्थयात्रा से पहले कोरोना वायरस (कोविड-19) की निगेटिव जांच रिपोर्ट दिखानी होगी जो कि 48 घंटे से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रमेश कुमार ने सोमवार को माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर लिखा, श्री माता वैष्णो देवी यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर के बाहर से आ रहे सभी श्रद्धालुओं से कोविड निगेटिव जांच रिपोर्ट लाने का अनुरोध किया जाता। यह रिपोर्ट तीर्थयात्रा के लिए आगमन के समय 48 घंटे से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, कोविड-19 निगेटिव रिपोर्ट के बिना यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। कृपया सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सहयोग करें। वैष्णो देवी तीर्थयात्रा 16 अगस्त से फिर से शुरू हो रही है। कोरोना वायरस महामारी को देखते हुये इस वर्ष 18 मार्च को यह तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा के दौरान पालन किये जाने वाले दिशानिर्देश भी जारी किये हैं। श्री कुमार ने कहा कि ऑनलाइन पंजीकरण करने वाले लोगों को ही यात्रा की अनुमति दी जाएगी और 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग, एक साथ कई बीमारियों से पीड़ित लोग, गर्भवती महिलाएं एवं 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यात्रा की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा, तीर्थयात्रियों के लिए मोबाइल में 'आरोग्य सेतु' एप्लिकेशन का इस्तेमाल अनिवार्य है और केवल उन्हीं लोगों को यात्रा की अनुमति दी जाएगी।

विधानसभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में विधानसभा सभापति राजेन्द्र पारीक ने सोमवार को पन्द्रहवीं विधानसभा के पंचम सत्र की कार्यवाही सायं 5.00 बजे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। 14 अगस्त से 15वां सत्र शुरु हुआ। इस दौरान राज्य सरकार ने सदन में बहुमत साबित किया। बाद में कोरोना पर चर्चा कराने के बाद आज 13 विधेयक ध्वनि मत से पारित किये गये।

केरल से राज्यसभा उपचुनाव के लिए मतदान प्रारंभ

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल से राज्यसभा उपचुनाव के लिए मतदान सोमवार को यहां राज्य विधानसभा में प्रारंभ हो गया। लोकतांत्रिक जनता दल की केरल इकाई के अध्यक्ष एमवी श्रेयम्स कुमार वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और कांग्रेस के लाल वर्गीस कलपाकवड़ी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे के उम्मीदवार हैं।

अनलॉक-4 में शुरू हो सकती है दिल्ली मेट्रो सर्विस

जल्द जारी होगी गाइडलाइन्स

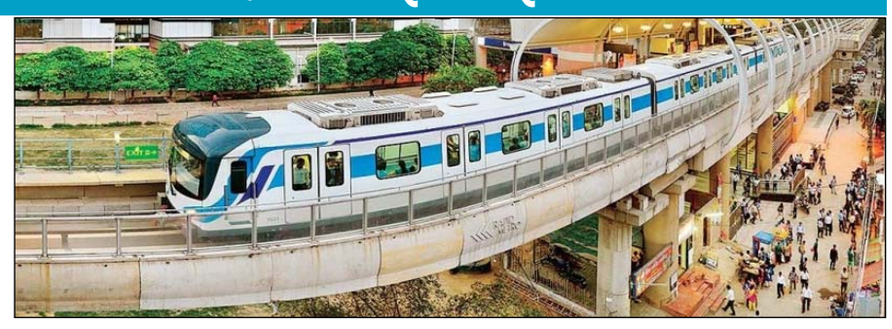

नई दिल्ली, एजेंसी। एक सितंबर से शुरू हो रहे लॉकडाउन में छूट के चौथे चरण अनलॉक 4 में सरकार द्वारा मेट्रो ट्रेन सेवाओं को परिचालन की अनुमति दिये जाने की संभावना है लेकिन स्कूलों और कॉलेजों के निकट भविष्य में खुलने की संभावना नहीं है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस लॉकडाउन में क्रमिक छूट के चौथे चरण अनलॉक 4 की जब शुरुआत होगी तब एक सितंबर से मेट्रो रेल सेवाओं को परिचालन की अनुमति दी जा सकती है। हालांकि राज्यों में त्वरित परिवहन नेटवर्क के परिचालन की अनुमति के बारे में संबंधित राज्य सरकार वहां की कोरोना वायरस महामारी की स्थिति के आधार पर निर्णय लेंगी। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए मार्च में मेट्रो सेवाएं निलंबित कर दी गयी थी। इस महामारी की वजह से देश में अब तक 31 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं। अनलॉक 4 के दिशानिर्देशों में केंद्र सरकार केवल प्रतिबंधित गतिविधियों का जिक्र करेगी, बाकी बहाल हो सकते हैं। अधिकारी के अनुसार राज्य सरकारें उन अतिरिक्त गतिविधियों पर अंतिम निर्णय ले सकती हैं जिन पर अनलॉक 4 के दौरान भी पाबंदी जारी रहे। अनलॉक 4 के दिशानिर्देश इस सप्ताह के आखिर तक जारी किये जा सकते हैं। देशभर में निषिद्ध क्षेत्रों में लॉकडाउन सख्ती से बना रहेगा। फिलहाल मेट्रो रेल सेवाएं, सिनेमाघर, स्वीमिंग पूल, मनोरंज पार्क, थियेटर, बार, ऑडिटोरियम, अन्य सभागार और ऐसे अन्य स्थान प्रतिबंधित गतिविधियों के अंतर्गत हैं। अगले महीने सामाजिक, राजनीतिक गतिविधियां, खेलकूद, मनोरंजन,अकादमिक, सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यक्रम एवं अन्य समागम पर पाबंदी बने रहने की संभावना है। एक जून से लॉकडाउन में छूट की अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हुई थी।

बरसात से कई मोहल्ले जलमग्न, वर्षों से अधूरा पड़ा है नाला निर्माण

➲ नगर पंचायत में स्वच्छ भारत अभियान की खुल रही पोल, जिम्मेदार मौन

जहानाबाद, फ्तेहपुर । आदर्श नगर पंचायत का दर्जा प्राप्त कस्बे में स्वच्छ भारत अभियान की पूर्ण रूप से अनदेखी करते हुए धज्जियां उड़ाये जाने की पोल खुलती जा रही है। नगर पंचायत की कमियों से कस्बे में बस्ती के अंदर कचरा डंप होने का स्थान (एमआरएफ सेंटर) आज तक तैयार नहीं हुआ जो कागजी फाइलों में दौड़ रहा है और नगर पंचायत बस्ती का कचरा कस्बे के बाहरी क्षेत्रों में अपनी साख बचाने हेतु नगर पंचायत वाहनों द्वारा हाईवे मार्ग दो किनारे फेंका जा रहा है। कस्बे में जलभराव के साथ-साथ गंदगी का फैलाव, नालियों में जलभराव और गंदगी पनप रही है। वही बीते दिवस रविवार हुई बारिश से कई जगह पूर्ण रूप से जलभराव की स्थिति बनी रही। यहां कस्बे वासियों का नुकसान के साथ-साथ मोहल्ला पोजेपुर समीप स्थित कैलाश मंदिर परिसर में बस्ती का गंदा पानी भरने से लोगों में नगर पंचायत के विरुद्ध रोष व्याप्त होने लगा है। मंदिरों में वर्तमान समय वैश्विक कोरोना महामारी के दौरान लोगों का आवागमन तो बंद है ही, लेकिन मूल पुजारी व संरक्षक समिति के सदस्यों को साफ-सफाई एवं धूप दीप करने हेतु आवागमन करना पड़ता है, लेकिन कस्बे के गंदा पानी मंदिर परिसर में भरने से साफसफाई एवं पूजा अर्चना भी मंदिर पर नहीं हो पाई जिससे कैलाश मंदिर समिति सहित अन्य लोगों में नगर पंचायत के विरुद्ध बताया कि बीते कई वर्षों से नगर

पंचायत की घोर अनदेखी के चलते ऐसे ही जलभराव हमेशा होता रहता है। जहां गंदे पानी के भरने से कीटाणुओं के पनपने से गंभीर बीमारी का भी प्रकोप फैल सकता है। कस्बे का पानी निकासी के लिए शासन द्वारा विगत वर्षों पूर्व 01 करोड़ 40 लाख रुपये अवमुक्त होने के बाद आज भी नाले का अधूरा निर्माण होने के कारण जल निकासी का कोई मार्ग नहीं है। जिस कारण भारी बारिश के चलते नगर के कई मोहल्ले जल मग्न हो गए जिसमे कटराचुनपुज, काजीटोला, बाकरगंज, खटकौरा, रमचौरा, केवटरा, आदि मोहल्लें में पानी भर जाने से मोहल्ले वासियों का जनजीवन अस्त व्यस्त रहा।

आदर्श नगर पंचायत में बरसात के पूर्व में ही नाला और नालियो की सफाई हो जानी चाहिए थी, लेकिन पूर्ण रूप में सफाई अभियान ना होने से नगर पंचायत की कार्यगुजारियों के चलते शासन के मूल प्लान स्वच्छ भारत अभियान की पोल खुल गई। जिस कारण अम्बेडकर नगर, चंदा गली, ठकुरन गली, बाजपेयी मोहाल, कछेउरा मे भी लोगों के घरो मे गंदा पानी घुस जाने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। चंदा गली के पवन उत्तम और मनोज कुमार ने बताया कि सुलभ शौचालय समीप बड़ा नाला नहीं बनकर पतली नाली बनी हुई है जिससे पूरी बस्ती का पानी नहीं निकल पा रहा और पीछे बस्ती का पानीघर के अगल-बगल बने घरों में हुई अधिक बारिश से भर गया जिससे अपने घर को सुरक्षित करने हेतु रात में ही बाल्टी और तस्लों से पानी को बाहर फेंकने में कड़ी मशक्कत उठानी पड़ी। नगर पंचायत अब भी इस पर ध्यान नहीं दे रही है। नगर पंचायत के सभासद महेश कुमार चौरसिया, सतीश चंद्र गुप्ता, राजेश बाजपेयी, आदित्य सिंह, जिलाउल हक कुरैशी, सुरेश चंद्र आदि ने जिलाधिकारी से नाला निर्माण का कार्य अतिशीघ्र कराने व जांच कराकर कस्बे की बस्तियों के पानी निकासी की मांग की है।

कारागार राज्यमंत्री विधायक निधि से करायेंगे जहानाबाद विधानसभा का विकास

कार्यकर्ताओ को सौंपी समस्याओं को चिन्हित करने की जिम्मेदारी

प्रदेश के कारागार राज्यमंत्री जयकुमार सिंह जैकी की फाइल

फ्तेहपुर । औंग कस्बा के निकट आशापुर डाक बंगले में प्रदेश के कारागार राज्यमंत्री/जहानाबाद विधानसभा से विधायक जयकुमार जैकी ने अपनी विधानसभा के चारो मंडलो के अध्यक्षो और कार्यकर्ताओ के साथ बैठक कर अपनी विधायक निधि से को विकास कार्यो में खर्च करने की रणनीति तैयार की। उन्होने कहा कि हर मण्डल अध्यक्ष युवाओं के लिए अपने-अपने क्षेत्र में खेल को प्रोत्साहन देने के लिए खेल मैदान की जमीन चिन्हित करें वह अपनी निधि का सही ढंग से खर्च करने की नीति बनाकर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं को खेल मैदान की सौगात प्रदान करेंगे। श्री जैकी ने कहा कि उन्होने अपने कार्यकाल के दौरान अपनी विधायक निधि से मात्र 10 लाख रूपये कोविड-19 से बचाव के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष को दिया है, बाकी सारा पैसा उनकी निधि में डम्प है जिसे विधानसभा क्षेत्र के विकास में खर्च किया जाएगा। उन्होने कहा कि गांव के समुचित विकास के लिए कार्यकर्ता ज्यादा से ज्यादा क्षेत्र का दौरा कर समस्याओं को चिन्हित करें। उन्होने कहा कि समस्याओं को चिन्हित करने के बाद एक सूची बनायी जाए जिससे जमीनीं स्तर पर विधायक निधि का पैसा खर्च किया जा सके और विधानसभा क्षेत्र का चहुँमुखी विकास हो सके। इस मौके पर बड़ी संख्या में उनके समर्थक व पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दो दिन से हो रही बारिश से गरीब का आशियाना ढहा

बाल-बाल बचे परिवारीजन

जहानाबाद, फ्तेहपुर । थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर टंडा के मजरे तेजानगर मे गरीब का आशियाना दो दिन से हो रही लगातार बारिश के चलते देर रात भर-भराकर ढह गया। परिजन बाल-बाल बचे। परिजनों के मुताबिक देर रात 12 बजे अचानक कच्ची कोठरी भरभरा कर गिरने की आहट से कुछ दूरी पर पूरा परिवार हादसे में बाल-बाल बच गया। परिवार के मुखिया रामबदन ने बताया कि देर रात वह अपने कमरे के समीप सोया था तभी अचानक छत गिरने की आहट लगते ही वह परिवार को लेकर बाहर निकल आया जिससे पूरा परिवार बाल-बाल बच गया। आज दोपहर बाद ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गंगाराम निषाद मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिजनों को सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गंगाराम निषाद ने बताया कि पीड़ित की आर्थिक मदद तथा शासन से उचित मुआवजा दिलाया जाएगा।

टीम मोदी सपोर्टर संघ के मोहम्मद तारिक बनें जिलाध्यक्ष

फ्तेहपुर । टीम मोदी सपोर्टर संघ के प्रदेश अध्यक्ष अकील अहमद खान ने मोहम्मद तारिक को जिलाध्यक्ष नियुक्त करते हुए केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का आहवान किया। उन्होने नव मनोनीत जिलाध्यक्ष का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। इसके पूर्व प्रदेश अध्यक्ष का संगठन के लोगो ने पुष्पमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया और उनके बताये मार्ग पर चलकर टीम मोदी सपोर्टर संघ को मजबूत बनाने का विश्वास दिलाया एवं केन्द्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया। प्रदेश अध्यक्ष श्री खान ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री ने किसी एक वर्ग के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए काम किया है। मोदी सपोर्टर संघ भारतीय जनता पार्टी से समर्थित है। कार्यक्रम में विक्रम सिंह, दीपक, बबलू वारसी, मोहम्मद सलमान, पार्षद अमित कुमार श्रीवास्तव, आफ्ताब, अमृतांशु त्रिपाठी, आसिफ रजा, अरशद हुसैन, हबीबुल्लाह, गया अहमद, मोहम्मद राशिद, मौलाना उमर शरीफ, मोहम्मद उमर, मोहम्मद कासिम, मोहम्मद ईशा, रूमी, रईस मोहम्मद, फैजान मोहम्मद सैयद, राजे त्रिपाठी, विपिन तिवारी, मोहम्मद नईम, गायत्री सिंह, मंजू देवी आदि मौजूद रहीं।

नि:शुल्क मोटराइज्ड ट्राईसिकिल के लिए दिव्यांगजन करें आवेदन

फ्तेहपुर । जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने बताया कि दिव्यांगजनो को नि:शुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल' उपलब्ध कराए जाने हेतु कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विकास भवन में उक्त योजना अंतर्गत आवेदन पत्र स्वीकार किए जा रहे हैं। मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्राप्त करने हेतु दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र एवं आवश्यक प्रमाण पत्र सहित विकास भवन कमरा नंबर-18 में अतिशीघ्र जमा कर दें।उन्होने बताया कि दिव्यांगता की स्थिति दिव्यांगजन मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल, पालिसी, हीमोफीलिया आदि से ग्रसित हो या व्यक्ति उपर्युक्त की भाति शारीरिक स्थिति में हो उसकी दृष्टि अच्छी हो,कमर के ऊपर का हिस्सा(भाग) स्वास्थ्य हो, संबंधित दिव्यांगजन मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल पर बैठकर अपने हाथों से उपकरण का संचालन करने में सक्षम एवं संबंधित जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा उनकी दिव्यांगता न्यूनतम 80: या उससे अधिक प्रमाणित की गई हो। उक्त योजना अंतर्गत अनुदान की अधिकतम धनराशि मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल का वास्तविक मूल्य अथवा रु0 25000 जो भी न्यूनतम हो प्रति दिव्यांगजन अनुमन्य होगा। यदि मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल की कीमत रु0 25,000 से अधिक होती है तो अनुदान की अधिकतम राशि के अतिरिक्त आने वाले व्यय का भार स्वयं लाभान्वित होने वाले व्यक्ति द्वारा वहन किया जाएगा । इसकी भरपाई विधायक निधि/सांसद निधि/सीएसआर या अन्य किसी वित्त पोषण के माध्यम से भी की जा सकेगी। क्षमता दिव्यांगजन- जिन्हें मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदान की जानी है जनपद स्तर की तकनीकी समिति द्वारा शारीरिक स्थिति समता का भौतिक परीक्षण किया जाएगा और भौतिक परीक्षण में मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल हेतु उपयुक्त पाए जाने पर ही व्यक्ति को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदान करने की प्रक्रिया की जाएगी। आय- दिव्यांगजन या उसके परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय रुपया 1,80,000(रु0 एक लाख अस्सी हजार मात्र) से अधिक नहीं होनी चाहिए। आय हेतु तहसील द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र मान्य होगा। अवधि- इस योजना के अंतर्गत पात्र दिव्यांगजन को पूरे जीवन काल में केवल एक बार मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल से लाभान्वित किया जाएगा। साथ ही ऐसे दिव्यांगजन जिन्हें पूर्व में भारत सरकार/सांसद निधि/विधायक निधि/स्थानीय निकाय या अन्य सरकारी या सरकार द्वारा अनुदानित स्रोतों से उसे मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्राप्त ना हुई हो। दिव्यांगजन के पास यूनिक डिसेबिलिटी आइडेंटी(यू0डी0आई0डी0) कार्ड एवं आधार कार्ड होना चाहिए।

सात वांछित गिरफ्तार

फ्तेहपुर । पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा के दिशा निर्देशन पर चलाये गये अभियान के तहत जनपद के सात थानो की पुलिस ने वांछित चल रहे आरोपियो को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार बिन्दकी कोतवाली प्रभारी सतेन्द्र सिंह अपने हमराही सिपाहियो के साथ क्षेत्र में गस्त कर रहे थे तभी मुखबिर की सूचना पर वांछित चल रहा सतीश कुमार पुत्र रामकुमार प्रसाद निवासी अतसरन टोले मधु छपरा पोस्ट आसरण थाना रसूलपुर अनुमण्डल जनपद छपरा सारण बिहार को गिरफ्तार किया है। इसी क्रम में मलवां थाना प्रभारी शेर सिंह राजपूत गस्त के दौरान नाते उर्फ शिवलाल पुत्र मेघीलाल निवासी गोबर्धनपुर थाना हुसेनगंज को गिरफ्तार किया है। वही ललौली थाने मे तैनात प्रवीण कुमार दुबे ने गस्त के दौरान अकिंत कुमार पुत्र राजेन्द्र कुमार, भूपेन्द्र कुमार पुत्र बाबूराम निवासीगण सर्वोदय नगर बहुआं को गिरफ्तार किया है। उधर सुल्तानपुर घोष में तैनात उपनिरीक्षक बृजेश कुमार गौतम ने गस्त के दौरान वांछित चल रहा रामबाबू पुत्र हरिश्चन्द्र व हरिश्चन्द्र उर्फ बचानी पुत्र श्रीपाल निवासीगण सरौली को गिरफ्तार किया है।

कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन में संगठन में भागीदारी को लेकर हुई चर्चा

जहानाबाद, फ्तेहपुर । कस्बे के साढ रोड स्थित एक आवास में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष अखिलेश पाण्डेय ने वर्तमान केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकारों पर निशाना साधते हुए दोनो ही सरकारों को नेतृत्व विहीन बताया। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में अपराधियों का बोलबाला है, भ्रष्टाचारी व गुंडे खुलेआम घूम रहे है। उन्होंने कहा कि सरकार की स्वास्थ्य सेवाएं, कानून व्यवस्था सहित विकास कार्यों में सरकार पूरी तरह फेल नजर आ रही है। उन्होंने संगठन की मजबूती पर कार्यकर्ताओं को बताया कि सरकार की नाकामियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि सरकार आज पूरी तरह से हर मोर्चे पर फेल है। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन हाफिज अनवारुल हक ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उत्साह भरते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी जैसी जुमलेबाज पार्टी का यदि पूरे भारत में कोई विरोध कर सकता है तो वह कांग्रेस पार्टी है। उन्होंने कहा कि चाहे प्रदेश हो, चाहे देश हो हर तरफ लोग बेरोजगार होते जा रहे हैं। सरकार की नीतियां आमजनमानस विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं सिर्फ उद्योगपतियों तथा पूंजी पतियों तक ही सीमित होकर रह गई है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर में करना सरकार की प्रथम नाकामी नजर आ रही है। उन्होंने देश में चल रहे कोरोना जैसे प्रभाव पर सरकार द्वारा तय की गयी रणनीति को फेल बताया। उन्होंने कहा कि आम जनता से लगाकर सरकार के मंत्री तक मौत के काल में समा रहे है, किंतु सरकार उदासीन नजर आ रही है। छह माह बीत जाने के बाद सिर्फ लॉकडाउन के नाम पर लोगों का रोजगार छीनने का काम किया जा रहा है। इस मौके पर वक्ताओं ने सरकार पर निशाना साधा। संगठन की मजबूती हेतु मोहम्मद जीशान ने कार्यकर्ताओं की हौसला अफजाई किया जिस पर नगर अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों पर लोगों ने आवेदन किया। नगर अध्यक्ष पद के लिए 04 दावेदारों ने अपनी-अपनी दावेदारी पेश की। इस मौके पर राजा अवस्थी, भगवती मिश्रा, कमरुल हक सभासद, पूर्व सभासद जियाउल हक, सभासद प्रतिनिधि बबलू कालिया, अमन, अफजल, रामकुमार निषाद, राहुल यादव आदि मौजूद रहे।

विकास कार्यो को लेकर तेलियानी ब्लाक की बोर्ड बैठक सम्पन्न

➲ मनरेगा के जरिए मजदूरों को दिलाया जाए काम
➲ 2.50 लाख की कार्य योजना के प्रस्ताव पास

फ्तेहपुर । क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक सोमवार को तेलियानी ब्लॉक में ब्लाक प्रमुख की अध्यक्षता में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए संपन्न हुई। बैठक मैं तेलियानी ब्लाक प्रमुख अनीता साहू व खण्ड विकास अधिकारी राबिया बेगम द्वारा शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जिनमें पेयजल योजना, ग्रामीण स्वास्थ्य योजना, पेंशन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, 15 केंद्रीय वित्त चतुर्थ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की विस्तृत जानकारी दी गई एवं कोविड-19 पर भी विस्तृत जानकारी एवं सभी सदस्यों से इस महामारी में सहयोग करने की अपील की गई।

बैठक का संचालन लेखाकार फुरकान ने किया।

सभी सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में विकास हेतु पंचम वित्त आयोग में लगभग 2.50 लाख की कार्य योजना एवं मनरेगा योजना में 2.30 लाख की योजना प्रस्तावित की। सदन में उपस्थित सभी सदस्यों ने ध्वनि गति से सभी प्रस्तावों को पारित किया। बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्य राजू साहू व सहायक विकास अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक गांव में सफाई कर्मी टीम लगाकर गांव में सफाई अभियान चलाया जाए जिससे कोरोना बीमारी से लड़ा जा सके। सदन में सदस्यों का ब्लाक प्रमुख अनीता साहू ने आभार व्यक्त किया तथा सभा के समापन की घोषणा की। इस मौके पर रामखेलावन सहायक विकास अधिकारी, आईएसबी दिनेश चंद्र शर्मा, कृषि अधिकारी सुधा विश्वकर्मा, रन्नो देवी, संगीता पटेल, रामकरण यादव, शीतल पाल, मीनू तिवारी, गायत्री मौर्या, मीनाक्षी देवी, कुंती देवी, मनोज कुमार, रहमत अली, माशूक, शैलेंद्र तिवारी, अजय पटेल, पिंटू सिंह आदि उपस्थित रहे।

आरोपों को खारिज करना मानवता की जीत: सुधाकर

फ्तेहपुर । लोक मंगल साहित्य के अध्यक्ष सुधाकर अवस्थी ने कोरोना महामारी के दौरान तब्लीगी जमात में विदेशियों के ऊपर लगाए गए आरोपों को मुंबई हाई कोर्ट के द्वारा खारिज किए जाने को मानवता की जीत बताते हुए कहा कि कुछ मीडिया ने तब्लीगी जमातियों पर झूठे आरोप लगाकर भारतीय संस्कृति अतिथि देवो भव पर कुठाराघात किया था जिससे देश शर्मसार हुआ किंतु बॉम्बे हाई कोर्ट के द्वारा विदेशी तब्लीगियों के खिलाफदर्ज प्राथमिकियों का झूठ का प्रोपेगेंडा बताते हुए रद्द करना कुछ मीडिया के झूठ के सच को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के इस साहसिक ऐतिहासिक निर्णय से उम्मीद शेष है कि देश में न्याय अभी जिंदा है। उन्होंने कहा कि कुछ कट्टरपंथी देशों को छोड़कर विश्व में कहीं भी लोग अपने अपने धर्म प्रचार करने हेतु प्राकृतिक व आध्यात्मिक रूप से स्वतंत्र हैं किंतु लॉकडाउन पीरियड में इस्लाम धर्म के प्रचारको के ऊपर कोरोना कैरियर, कोरोना बम जैसे शब्दों का प्रयोग करते हुए कुछ मीडिया के प्रोपेगेंडा के द्वारा देश में घृणा व दहशत का माहौल फैलाया गया। वह देश के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था। उन्होंने कहा कि तब्लीगी जमातियो के अलावा देश में महामारी अधिनियम के उल्लंघन में हजारों लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज है तो क्या उन्हें भी हत्यारा, कोरोना बम, कोरोना कैरियर्स जैसे शब्दों से विभूषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने पीड़ित पक्षों पर की गई कार्यवाही के लिए पश्चाताप करने व उसकी क्षतिपूर्ति करने के आदेश दिए हैं जिससे भारत देश के अतिथि देवो भव संस्कृति के मान सम्मान की रक्षा हुई है। ऐसे निर्णय के लिए हाईकोर्ट की जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है।

जहानाबाद विधानसभा का कापिल ग्राम पंचायत उपेक्षाओं और अव्यवस्थाओं का शिकार

अमौली, फ्तेहपुर । यूँ तो देश के आजादी के तिहत्तर वर्ष पूरे हो चुके है। मगर जनपद के कई गाँव ऐसे है, जहाँ सरकार आज भी मूलभूत सुविधाओं तक इंतजाम नही कर पाई है।

अमौली विकास खण्ड के ग्राम पँचायत कापिल के हालात कुछ ऐसे ही है। गाँव मे ग्रामीण आज भी स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, शौचालय व पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। गांव के ग्रामीणों का कहना है कि गाँव मे विकास कार्यो के नाम पर आधे-अधूरे कार्य हुए है। जनता के मत से चुने जनप्रतिनिधि चुनाव पूर्व झूठे आश्वासन कर लोगो के वोट बटोर ले जाते है। फिर पाँच वर्ष तक कोई नजर नही आता है। गाँव की मुख्य सड़के और नालियां कीचड़ से बजबजा रही है, जिसके कारण ग्रामीणों का पैदल निकलना तक दूभर हो रहा है। साइकिल और मोटर साइकिल तो बड़ी दूर की बात है। गांव में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। मगर जिम्मेदार लोग कुम्भकर्णी नींद में सोए हुए है। गाँव के वर्तमान हालत आज ऐसे है,कि लोगो की व्यथा सुनने वाला कोई नही है जिसके कारण गाँव लगातार उपेक्षाओं का शिकार होता चला जा रहा है। गाँव में विकास के नाम पर कोई कार्य नही हुआ है। केवल जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने अपनी जेबें भरी हुई है। गाँव पूरी तरह से समस्याओं में डूबा हुआ है। गाँव मे जो भी सड़के है वो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। गाँव मे जो हैंडपंप भी लगे है वो भी खराब पड़े हुए है। राजीव गांधी स्वजल धारा योजना के अंतर्गत पानी की टँकी का निर्माण कार्य कई वर्ष बीत जाने के बाद भी आज भी आधा अधूरा पड़ा हुआ है। इतना ही नही गाँव मे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बना हुआ है। मगर

मरीजो को कभी भी समय पर इलाज नही मिल पाता है। दवाइयों का हरदम अभाव ही बना रहता है। चिकित्सा स्टाफ में कभी-कभी फार्मेसिस्ट नजर आ जाता है। चिकित्सको के तो दर्शन दुर्लभ है, जबकि गाँव के आसपास के गांवों में भयंकर महामारी का प्रकोप फैला हुआ है। ग्राम पंचायत में शिक्षा के नाम पर प्राथमिक विद्यालय और उच्चतर प्राथमिक विद्यालय मौजूद है। मगर विधालयो में अभी तक मॉडल शौचालय और पेयजल की समुचित व्यवस्था कहीं नजर नही आती है। गांव से कहीं ज्यादा गाँव से जुड़े मजरे कीरतपुर और पंथू सिंह का पुरवा के हालात खराब है। वहाँ की हालात देखकर ऐसा प्रतीत होता है, ये गाँव किसी पचास साल पिछड़े क्षेत्रों का हिस्सा है जिम्मेदार लोग पूरी तरह से भृष्टाचार में डूबे हुए है। किसी को भी जनता के दुःख तकलीफों से कोई वास्ता गरज नही है। सब अपनी जेबें भरने में मदमस्त है। अगर जल्द ही शासन प्रशासन ने जिम्मेदारों लोगो के विरुद्ध कोई ठोस प्रभावशाली कार्यवाही नही की तो गाँव के हालात बहुत ही बद से बत्तर हो जाएंगे।

गोमतीनदी पर दो दिन के गणेश प्रतिमा को विर्सजित करने से पहले पूजा करते भक्त।

नीट और जेईई परीक्षा के खिलाफ आम आदम पार्टी की छात्र विंग का प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। जेईई-नीट परीक्षाओं के आयोजन को सुप्रीम कोर्ट से हरी झण्डी मिलने के बाद देश भर में छात्रों ने इन परीक्षाओं मोर्चा खोल दिया है। कोरोना संकट के चलते इन महत्वपूर्ण परीक्षाओं को टलवाने के लिए सभी राज्यों में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इसी क्रम में सोमवार को लखनऊ आम आदमी पार्टी की छात्र विंग छात्र युवा संघर्ष समिति (सीवाईएसएस) ने हजरतगंज में प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी की छात्र विंग के कार्यकर्ता भारी संख्या में परिवर्तन चौराहे पर जुटे। सभी की मांग थी कि कोरोना महामारी के बीच आयोजित की जाने वाली नीट और जेईई की परीक्षा को फ्लिहाल स्थगित किया जाए। क्योंकि कोरोना महामारी के डर से अभिभावकों समेत छात्रों में भी डर का माहौल है

और परीक्षा आयोजित होने पर बड़ी संख्या में छात्रों के कोरोना संक्रमित होने का खतरा है। ऐसे में छात्र युवा संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बंसराज दुबे के नेतृत्व में यह प्रदर्शन किया है। आपको बता दें कि छम्म्ज् और श्रम्म् की परीक्षा को स्थगित कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका पहले ही खारिज हो चुकी है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह लाखों छात्रों के भविष्य का सवाल है और हम कुछ लोगों के लिए छात्रों के एक साल की मेहनत नहीं बर्बाद कर सकते हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने जेईई मेन्स की परीक्षा 1 से 6 सितंबर के बीच और जेईई एडवांस 27 सितंबर को आयोजित कराने के निर्देश दिए थे।

इसके अलावा मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए नीट की परीक्षा का आयोजन 13 सितंबर को होना है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद ही देशभर में लाखों छात्र एकजुट हो गए थे और कोरोना महामारी के दौरान इन परीक्षाओं को स्थगित कराने की मांग की थी। यही नहीं इस मामले को लेकर राष्ट्रपति से भी गुहार लगाई गई थी। वहीं अब आम आदमी पार्टी के भी छात्र विंग के कार्यकर्ताओं ने इस मांग को लेकर केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉक्टर रमेश पोखरियाल निशंक को ज्ञापन सौंपा है।

योगी ने सिडबी के स्वावलम्बन केन्द्र का ऑनलाइन किया शिलान्यास

स्टार्ट-अप इण्डिया' कार्यक्रम की सफलता के लिए स्टार्ट-अप्स को आगे बढ़ाना आवश्यकः योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर सिडबी के 'स्वावलम्बन केन्द्र' का ऑनलाइन शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि सिडबी के नये भवन के निर्मित हो जाने से प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 सेक्टर से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने तथा स्टार्ट-अप की स्थापना करने में सहूलियतें प्राप्त होंगी, जिससे प्रदेश के अन्दर एक नई कार्य संस्कृति देखने को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने 'स्वावलम्बन केन्द्र' का डिस्प्ले मॉडल देखकर विश्वास व्यक्त किया कि यह बिल्डिंग ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित की जाएगी, जिसमें ऊर्जा, जल, वेस्ट प्रोडक्ट की बचत के साथ-साथ

जल की रीसाइकिलिंग और रीचार्जिंग की व्यवस्थाएं होंगी। ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहित करने और जल संरक्षण के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए तथा एम0एस0एम0ई0 सेक्टर के प्रोत्साहन के लिए यहां जो व्यवस्थाएं की गयी हैं वह अत्यन्त महत्वपूर्ण और आज की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एम0एस0एम0ई0) क्षेत्र के संवर्धन, वित्त पोषण और विकास के लिए कार्य करने वाली प्रमुख वित्तीय संस्था है। सिडबी द्वारा भारत सरकार के स्टार्ट-अप फण्ड के निधि प्रबन्धन का कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा भारत के युवाओं के अभिनव विचारों को साकार करने के लिए 'स्टार्ट-अप इण्डिया' 'स्टैण्ड-अप इण्डिया' तथा 'मेक इन इण्डिया' जैसे कार्यक्रमों को लगातार आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'स्टार्ट-अप इण्डिया' कार्यक्रम की सफलता के लिए स्टार्ट-अप्स को आगे बढ़ाना आवश्यक है। इनोवेशन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की असीमित क्षमता है।

दशकों से विकास के अंधेरे में डूबे पंवाया में गरीबों के मसीहा बने बीर प्रकाश सिहँ बीरु

कंचन उजाला/ हरदोई। यूपी में विकास के अनेकों कागजी दावे किए जाते हैं , सरकारी महकमे द्वारा बताया जाता है कि सभी शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में विकास बेहतर ढंग से हो रहा है। परन्तु हकीकत कुछ और ही है। कंचन उजाला की पडताल में एक सच सामने आया है जी हां मामला हरदोई जनपद के भरावन विकासखंड के पंवाया गांव का है।जहाँ मूलभूत सुविधाओं का आभाव दशकों से रहा है। परन्तु गरीब लोगों की सेवा और गाँव के विकास के लिए जनता के सच्चे सेवक के रूप में सामने आए बीरप्रकाशसिहँ बीरु ने गाँव के गरीब लोगों के परिवार के साथ दिन रात बराबर सेवा में लगे रहते हैं। गाँव

की विद्युत व्यवस्था में प्रमुख सहयोग,विधवा पेंशन, स्वच्छता व किसानों को उनका हक दिलाने के लिए गांव व क्षेत्र में तत्पर रहते हैं। बीरप्रकाशसिहँ का सपना है कि हमारे गाँव में डिजिटल व्यवस्था हो गांव में अच्छी सडक व एक राजकीय इण्टर कालेज बने बीरप्रकाशसिहँ जी किसानों के भी बहुत बडे सेवक हैं। पंवाया गांव के सर्वांगीण विकास की अलख जलाने के लिए बीरप्रकाशसिहँ बीरु का जनसेवा ही प्रमुख उद्देश्य है।

विकास दूबे पर बन रहे वेब सीरीज के सीन पर आपत्ति

लखनऊ, संवाददाता। आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर ने विकास दूबे पर बन रहे वेब सीरीज प्रकाश दुबे कानपुर वाला के प्रोमो के एक सीन पर कड़ी आपत्ति की है,इस सीन में एक पुलिस अफसर विकास दूबे के पास जा कर कहता है कि उनके पास दूबे के खिलाफ लिखित शिकायत है. इस पर विकास दूबे पुलिस अफसर को गन्दी गाली देता है और उसकी टोपी उठा कर उछाल देता है। अमिताभ के अनुसार जिस प्रकार से एक पुलिस वाले की टोपी और उस पर लगे निशान को उछाला गया है, यह मात्र पुलिस विभाग का ही नहीं, बल्कि पूरे शासनतंत्र एवं राष्ट्र के प्रतिक चिन्हों का सीधा अपमान है. उन्होंने कहा कि ऐसा कोई सीन वेब सीरीज में स्वीकार्य नहीं होगा. अतः अमिताभ ने इस वेब सीरीज को बनाने वाले लोगों को इस सीन को तत्काल हटाने के लिए ईमेल भेजा है।

डीएम अलीगढ चंद्रभूषण सिंह पर कार्रवाई की मांग

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने डीएम अलीगढ चंद्रभूषण सिंह के अलीगढ के प्रभारी सीएमएस वीके गुप्ता साथ हुई बातचीत से संबंधित एक वायरल ऑडियो में चंद्रभूषण सिंह द्वारा अपशब्दों का प्रयोग करने पर उनके खिलाफकार्यवाही की मांग की है, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे पत्र में नूतन ने कहा कि ऑडियो में डीएम अलीगढ चंद्रभूषण सिंह की आवाज बताई गयी है. इस ऑडियो में डीएम प्रभारी सीएमएस को पचास जूते मारूँगा, बेवकूफजैसे शब्द तो कह ही रहे है, साथ ही उनके प्रति गंदे शब्दों का प्रयोग भी कर रहे हैं, नूतन ने कहा कि किसी भी आईएएस अफसर से ऐसी भाषा एवं शब्दों की अपेक्षा नहीं की जा सकती है. यह अखिल भारतीय सेवा आचरण नियमावली के खिलाफहै तथा स्पष्ट प्रशासनिक कदाचार है. उन्होंने कहा कि यदि यह वास्तव में डीएम श्री सिंह की आवाज है तो इसका संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफतत्काल कठोर कार्यवाही की जाये।

ठेकेदारी में कमीशन पड़ी महंगी, आईपीएस दिनेश चन्द्र दुबे तथा अरविन्द सेन निलंबित

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर भारतीय पुलिस सेवा के 2 अधिकारी पुलिस उपमहानिरीक्षक रूल्स एवं मैनुअल्स दिनेश चन्द्र दुबे तथा उपमहानिरीक्षक पीएसी आगरा अरविन्द सेन को निलम्बित कर दिया गया है। गृह विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दिनेश चन्द्र दुबे के सम्बन्ध में यूपी सिडको नोडल एजेन्सी के तहत कस्तूरबा हॉस्टल, शिवगढ, बछरावां, रायबरेली एवं सादाबाद में बनवाने का ठेका तथा बरेली एवं कौशाम्बी में बस अड्डा एवं लखनऊ में दिव्यांगों की बिल्डिंग बनवाने के ठेके दिलाने एवं उससे होने वाले लाभ सम्बन्धी शिकायत प्राप्त हुई थी। सूत्रों के अनुसार अरविन्द सेन के सम्बन्ध में पशुपालन विभाग में कूट रचित कर ठगी किए जाने की शिकायत मिली थी।

यूपी में जघन्य घटनाओं की बाढ़ आई हुई है, क्या यही है सरकार का रामराज्यःमाया

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भले ही कहें कि उत्तर प्रदेश में क्राइम कम हुआ है लेकिन ऐसा कुछ भी प्रतीत नहीं होता है। पिछले 24 घंटे में ही प्रदेश के अलग अलग जिलों में कई ऐसी वारदातें सामने आई हैं जो न केवल समाज को कलंकित करती हैं बल्कि सरकार के दावे पर भी कई सवाल खड़ा कर रही हैं। सीतापुर में नाबालिग दलित के साथ गैंगरेप समेत तमाम मुद्दों को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि यूपी में जघन्य घटनाओं की बाढ़ आई हुई है। मायावती ने ट्वीट कर कहा, 'यूपी के सीतापुर में नाबालिग दलित के साथ गैंगरेप, चित्रकूट में बंधुआ मजदूरी न करने पर युवक की हत्या व उसके बेटे का हाथ तोडना व गोरखपुर में डबल मर्डर आदि जघन्य घटनाओं की बाढ़ आई हुई है। क्या यही है सरकार का रामराज्य? दोषियों के खिलाफसख्त कार्रवाई हो, बीएसपी की यह माँग है।'

रालोद का आरोप, योगी सरकार में जमकर हो रही यूरिया की कालाबाजारी

लखनऊ, संवाददाता। किसानों की समस्याओं को लेकर योगी सरकार आए दिन विपक्षी दलों के निशाने पर आती रहती है। इसी क्रम में अब राष्ट्रीय लोक दल ने भी योगी सरकार को यूरिया की कालाबाजारी के कारण किसानों को हो रही समस्या पर घेरा है। दरअसल राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने कहा है कि योगी सरकार में किसानों की दुर्दशा हो रही है। किसान लगातार सरकार की अनदेखी का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा है कि डीजल की बढ़ी हुई कीमतों ने फसल का लागत मूल्य पहले ही बहुत बढ़ा दिया था। वहीं अब यूरिया की कालाबाजारी ने किसानों को और भी ज्यादा मुसीबत में डाल दिया है। सहकारी समितियों के माध्यम से मिलने वाली खाद की बोरियां मात्र कुछ अपने चहेतों को वितरित कर दी गयी हैं और उन्हीं चहेतों के माध्यम से प्रति बोरी 40 से 50 रूपये अधिक कीमत पर बेची जा रही है। इसकी वजह से किसानों को मजबूर होकर ज्यादा पैसे देने पड़ रहे हैं और बिचौलिए इसका फायदा उठा रहे हैं। अनिल दुबे ने कहा है कि एक तरफ उर्वरक मंत्रालय यह कह रहा है कि यूरिया की कमी नहीं है। लेकिन दूसरी ओर सच्चाई कुछ और ही है। यहां किसानों को उसकी उपलब्धता सुनिश्चित नहीं है। हैरत की बात है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर में भी यूरिया खाद की कालाबाजारी धड़ल्ले से हो रही है। प्रदेश में 623 खाद विक्रेताओं के लाइसेंस निलम्बित हो चुके है और 35 विक्रेताओं पर एफआईआर हो चुकी है। इसके अलावा अभी तक 17 दुकाने सील की जा चुकी हैं। यह सभी आंकड़े इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है कि प्रदेश में चारो और खाद का बड़े पैमाने पर घोटाला किया गया है।

यासिर अराफात की जयंती प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजली दी

लखनऊ। फिलिस्तीन मुक्ति आन्दोलन के महानायक और फिलिस्तीन के राष्ट्रपति रहे यासिर अराफात की जयंती पर आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजली दी गयी तथा कांग्रेस और फिलिस्तीन मुक्ति आन्दोलन के संबंधो पर विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। उक्त कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के तत्वावधान में संपन्न हुआ। गोष्ठी का संचालन प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता उबैदउल्ला नासिर ने किया।

गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन शाहनवाज आलम ने कहा कि यासिर अराफात हिन्दुस्तान के सच्चे दोस्त थे और हर मुद्दे पर वह भारत का पक्ष रखते थे। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी और राजीव गाँधी जी से उनके व्यक्तिगत सम्बन्ध रहे है। यहाँ तक कि इंदिरा जी को वह अपनी बड़ी बहन मानते थे और इंदिरा जी हर

साल रक्षाबंधन पर उनको राखी भी भेजती थी। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन के मसले पर कांग्रेस पार्टी महात्मा गाँधी के जमाने से ही फिलिस्तीन मुक्ति आन्दोलन का समर्थन करती आई है और आगे भी करती रहेगी।

कांग्रेस प्रशासन प्रभारी श्री दिनेश सिंह जी ने कहा कि कांग्रेस ने दुनिया के हर देश के आजादी के अन्दोलनों की पूरी ताकत से आवाज बुलंद की है। 1917 में जब ब्रिटिश विदेश मंत्री ने फिलिस्तीन में इजराईल की स्थापना की घोषणा की थी तो राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि फिलिस्तीन वैसे ही फिलिस्तीनियों का है जैसे इंग्लैंड अंग्रेजों का, भारत भारतीयों का, फ्रांस फ्रांसीसियों का। जनव्यथा निवारण सेल के प्रभारी संजय शर्मा ने कहा कि यासिर अराफात अपने दौर में पूरे मिडिल ईस्ट के सर्वमान्य और सेक्युलर आवाज थे। इस आवाज का भारत में इतना सम्मान था कि उनका हमेशा यहाँ पर स्वागत राष्ट्राध्यक्ष के रूप में किया जाता था।

सेवानिवृत आईएएस अनीस अंसारी ने इजराईल द्वारा फिलिस्तीन के अतिक्रमण पर मौजूदा सरकार के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि इससे हम अपना एक वफादार दोस्त खो रहे हैं। गोष्ठी में सिराज वली खान, रफत फातिमा, प्रवक्ता ओबैदउल्लाह, जावेद अहमद खान, नदीमुद्दीन, शहाबुद्दीन, श्रीमती सिद्धिश्री, अख्तर मालिक आदि लोग मौजूद रहे।

लोटन राम निषाद के खिलाफसपा की बड़ी कार्रवाई, भगवान राम को लेकर दिया था विवादित बयान

लखनऊ, संवाददाता। एक तरफ जहां समाजवादी पार्टी भगवान परशुराम और उत्तर प्रदेश में लगातार हो रहे ब्राह्मणों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाकर ब्राह्मण वोट साधने के चक्कर में है। तो वहीं दूसरी ओर उन्हीं की पार्टी के नेता भगवान राम को लेकर विवादित बयान देते हैं। दरअसल समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष लोटन राम निषाद को भगवान राम के खिलाफ अपशब्द कहने पर पद से हटा दिया गया है। पार्टी की ओर से यह कार्रवाई उनकी ओर से हाल ही में दिए गए बयान के बाद हुई है। इस मामले में लोटन राम निषाद को हटाकर उनकी जगह एमएलसी राजपाल कश्यप को पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का नया अध्यक्ष बनाया गया है। दरअसल लोटन राम निषाद ने कहा था कि भगवान राम काल्पनिक हैं, जैसे फिल्मों के पात्र काल्पनिक होते हैं, वैसे ही भगवान राम भी एक काल्पनिक पात्र हैं। लोटन राम निषाद ने यह भी कहा था कि उनकी भगवान राम में कोई आस्था नहीं है।

समाज-राष्ट्र की सेवा में अर्पित जेटली का जीवन अनुकरणीय

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरूण जेटली को उनकी पुण्यतिथि पर याद करने हुए कहा कि समाज-राष्ट्र की सेवा में अर्पित उनका जीवन हमेशा अनुकरणीय रहेगा। योगी ने सोमवार को ट्वीटकर कहा " कुशल संगठनकर्ता, योग्य प्रशासक, गुणी विधिवेत्ता, ओजस्वी वक्ता तथा सरल, सहज व सौम्य व्यक्तित्व के धनी पूर्व केंद्रीय मंत्री, अरुण जेटली जी को उनकी पुण्यतिथि पर सादर नमन। समाज-राष्ट्र की सेवा में अर्पित आपका जीवन-व्यक्तित्व अनुकरणीय है।

टोरंट रिश्वत को लेकर कांग्रेस की हुई किरकिरी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार समेत कई मुद्दों पर योगी सरकार को घेरने में जुटी कांग्रेस को झटका लगा जब उनकी पार्टी की आगरा जिलाध्यक्ष का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वह निजी बिजली कंपनी से रिश्वत की मांग करती दिखायी दी। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर तंज भी कसा है। बता दें कि इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मीडिया सलाहकार शलभमणि त्रिपाठी ने ट्वीट किया जिसमें उन्होंने कहा कि " शोर मचाओ,करो बवाल कर के सेटिंग,पीटो माल। बता दें कि वायरल वीडियो में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू का भी जिक्र आता है।

माकपा ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का विरोध किया

लखनऊ, संवाददाता। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) उत्तर प्रदेश राज्य सचिव मण्डल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए एक बयान में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का विरोध किया है। बयान में कहा गया है कि केन्द्र सरकार ने विद्युत अधिनियम संशोधन 2020 के द्वारा विद्युत क्षेत्र के संपूर्ण निजीकरण के माध्यम से जनता को लूटकर निजी कंपनियों को मुनाफा दिलाना चाहती है।

डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर के प्रस्तावित सभी कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा किया जायेः राजनाथ

लखनऊ व आगरा में डिफेन्स कॉरीडोर के लिए भूमि अधिग्रहण के कार्य में तेजी लायें अधिकारी

लखनऊ, संवाददाता। रक्षामंत्री भारत सरकार राजनाथ सिंह ने आज वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर प्रदेश डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर हेतु हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर हेतु सभी प्रस्तावित कार्य निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाये और इसके लिए रक्षा मंत्रालय एवं प्रदेश सरकार द्वारा जो भी कार्यवाही की जानी है, उसे समय सारणी के अनुसार पूर्ण कर लिया जाये। उन्होंने कहा कि डिफेन्स कॉरीडोर के लिए जो भी घोषणायें हुई हैं, और जो भी लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं, उन्हें हर हाल में प्राप्त करना है। उन्होंने बताया कि रक्षा उत्पादन

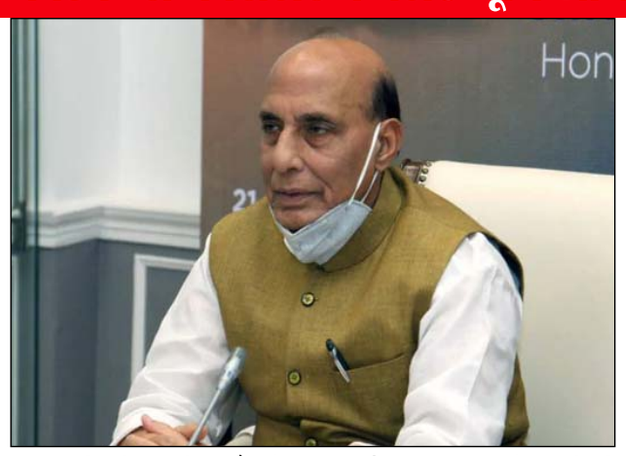

विभाग की नई पॉलिसी का कैबिनेट नोट तैयार है और माह सितम्बर, 2020 में इसे जारी कर दी जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार निवेशकों से निरंतर संपर्क बनाये रखें तथा उनकी समस्याओं व सुझावों पर तत्परता से कार्यवाही करें। समीक्षा बैठक के दौरान केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ व आगरा में भी भूमि अधिग्रहण के कार्य में तेजी लाने को कहा। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने यू0पी0 डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि डिफेन्स कॉरीडोर परियोजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में अलीगढ़, आगरा, झाँसी, चित्रकूट, कानपुर एवं लखनऊ में कुल 06 नोड्स बनाये गये हैं तथा परियोजना हेतु अनुमोदित भूमि 1461.0579 हेक्टेयर में से 1310.2532 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा प्राप्त हो चुका है जोकि 90 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने बताया कि झाँसी में 1025.4672 हेक्टेयर, चित्रकूट में 95.9340 हेक्टेयर, अलीगढ़ में 47.8440 हेक्टेयर तथा कानपुर में 141.0080 हेक्टेयर भूमि प्राप्त हो चुकी है और आगरा में टीटीजेड से बाहर तथा लखनऊ में रिंग रोड के आसपास भूमि देखी जा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस कार्य में और तेजी लाई जायेगी। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश में अब तक 3732 करोड़ के निवेश घोषित हुए हैं। ऑर्डिनेन्स 1077 करोड़, एच0ए0एल0 1200 करोड़, बी0ई0एल0 240 करोड़, पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज 115 करोड़, भारत फोर्ज 200 करोड़ तथा एम0के0यू0 द्वारा 900 करोड़ रू0 के निवेश की घोषणा की गई है तथा ऑडिनेन्स, एच0ए0एल, बी0ई0एल0, पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज व एम0के0यू0 द्वारा कार्य भी प्रारम्भ किये जा चुके हैं। मुख्य सचिव ने बताया कि अलीगढ़ नोड के अंतर्गत डी0पी0आर0, टाऊन प्लानिंग, पॉवर स्टेशन आदि की पूरी प्लानिंग कर ली गई है।

क्या शाहीन बाग आन्दोलन को भाजपा ने प्रायोजित किया था

आम आदमी पार्टी-बल्कि ज्यादा सही कहें तो अरविन्द केजरीवाल-ने गत 17 अगस्त को आरोप लगाया कि दिल्ली के शाहीन बाग में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विरुद्ध जो आन्दोलन चला था वह भाजपा द्वारा प्रायोजित था। उन्होंने कहा, श्विधानसभा चुनाव में उत्तर-पूर्वी दिल्ली की कुछ सीटें पर भाजपा की जीत का श्रेय शाहीन बाग आन्दोलन के कारण हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच बनी खाई को जाता है। शाहीन बाग के कारण दिल्ली में भाजपा का वोट प्रतिशत 18 से बढ़ कर 38 हो गया।य अपने इस आरोप के समर्थन में आप ने कहा कि शाहीन बाग आन्दोलन में हिस्सेदारी करने वाले शहजाद अली और कुछ अन्यों ने भाजपा की सदस्यता ले ली है। आरोप यह भी है महिला आन्दोलनकारियों ने छह लेन की कालिंदी कुंज सड़क का एक हिस्सा ही बंद किया था परंतु पुलिस ने उनकी मदद के लिए पूरी सड़क को ही एक किलोमीटर आगे से बंद कर दिया। आप के अनुसार यह इसलिए किया गया ताकि भाजपा को फायदा मिल सके। उसका यह भी कहना है कि यह सब करने के बाद भी जब भाजपा चुनाव नहीं जीत सकी तो उसने दिल्ली में दंगे भड़काए।

आप पार्टी के तर्क और आरोप दोनों ही बेहूदा हैं। वे मानसिक दिवालियेपन का सुबूत तो हैं ही उनसे ऐसा भी लगता है कि आप एक राजनैतिक एजेंडे के तहत शाहीन बाग आन्दोलन को बदनाम करना चाहती है। यह स्वाधीन भारत के सबसे बड़े प्रजातान्त्रिक जनांदोलन को लांछित करने का प्रयास है।

हां, आप के इस आरोप में दम है कि भाजपा दिल्ली के कुछ हिस्सों में लोगों को सांप्रदायिक आधार पर ध्रुवीकृत कर अपना उल्लू सीधा करने में कामयाब रही।

आइए, हम देखें कि भाजपा की नीतियों और कदमों ने शाहीन बाग आन्दोलन को मजबूती दी या उसे कमजोर किया। इसमें कोई संदेह नहीं कि आन्दोलनरत महिलाओं ने हाईवे के एक हिस्से को ही बंद किया था। परंतु भाजपा के नियंत्रण वाली पुलिस द्वारा पूरी सड़क को बंद कर देने से इस आन्दोलन को लाभ नहीं हुआ बल्कि उसकी बदनामी हुई। शहजाद अली का यह दावा अर्धसत्य है कि वह शाहीन बाग आन्दोलन का हिस्सा था। शहजाद अली आन्दोलन स्थल पर देखा गया था परन्तु आन्दोलन की दिशा तय करने या उसके सम्बन्ध में निर्णय लेने में उसकी कोई भूमिका

नहीं थी। यह मुख्यतः मुस्लिम महिलाओं का आन्दोलन था जिसमें इस समुदाय के सभी वर्गों की महिलाओं ने हिस्सा लिया। आन्दोलनकारियों में गरीब, मध्यमवर्गीय और उच्चवर्गीय परिवारों की महिलाएं शामिल थीं। यह आन्दोलन पूरी तरह से जनतांत्रिक था। आन्दोलन के सम्बन्ध में निर्णय मुस्लिम महिलाओं की श्पार्लियामेंट्य द्वारा लिए जाते थे। जिन अन्य लोगों ने आन्दोलन का समर्थन किया उनकी केवल सहायक भूमिका थी जो भाषण देने, बयान जारी करने आदि तक सीमित थी। आन्दोलन के पीछे तात्कालिक कारण अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया और जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा किया गया बेजा बलप्रयोग था।

जाहिर है कि पुलिस की यह दमनात्मक कार्रवाई, भाजपा के नीति का भाग थी। परन्तु इस आन्दोलन के पीछे एक दूसरा, गहरा कारण भी था और वह था मुसलमानों में असंतोष के भाव का अपने चरम पर पहुंच जाना। भाजपा सरकार यह ढोल पीट रही थी कि उसने तीन तलाक को अवैध और अपराध घोषित कर मुस्लिम महिलाओं की मदद की है। सच यह है कि मुसलमानों को यह लग रहा था कि उन्हें पीछे धकेला जा रहा है और उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक बनाया जा रहा है। उन्हें गद्दार (अनुराग ठाकुर का बयान देश के गद्दारों को...) बताया जा रहा है, गाय के नाम पर उनकी लिंचिंग की जा रही है और उन्हें आतंकी और लव जिहादी कहा जा रहा है। पूरा मुस्लिम समुदाय अपने आप को असुरक्षित और खतरे में पा रहा था। वह अपने आप में सिमटता जा रहा था। गोपाल सिंह आयोग, सच्चर समिति और रंगनाथ मिश्र आयोग की रपटों से यह साफ था कि सामाजिक-आर्थिक पैमानों पर मुसलमानों की हालत बाद से बदतर होती जा रही है। संघ परिवार के विषाक्त प्रचार के कारण पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को मुसलमानों के पक्ष में सकारात्मक कार्रवाई करने का अपना इरादा त्यागना पड़ा था। इन प्रयासों का जमकर विरोध हुआ और भगवा ब्रिगेड ने अनवरत यह कहना शुरू कर दिया कि मुसलमान, पाकिस्तान के प्रति वफादार हैं और अपनी आबादी तेजी के बढ़ाकर बहुसंख्यक समुदाय बनने की फिराक में हैं ताकि देश में शरिया कानून लागू किया जा सके। कांग्रेस, जो कम से कम मुसलमानों के प्रति शाब्दिक सहानुभूति तो व्यक्त करती रहती थी, को मुस्लिम पार्टी घोषित कर दिया गया। देश में व्याप्त सांप्रदायिक वातावरण के चलते कांग्रेस के नेता गांधी और नेहरू की तरह बहुवाद और विविधता के पक्ष में मजबूती से अपनी आवाज नहीं उठा सके। कांग्रेस उस विशाल प्रचार मशीनरी के सामने धराशायी हो गई जिसे आरएसएस ने काफी मेहनत से खड़ा किया है। संघ ने उस प्राचीन भारत का गौरव गान करना शुरू कर दिया जिसमें मनुस्मृति के कानूनों का बोलबाला था। उसने ईसाई समुदाय पर भी हमले शुरू कर दिए। उसने यह प्रचार शुरू कर दिया कि अल्पसंख्यक मुसलमान (2011 की जनगणना के अनुसार भारत की आबादी का 14.2 प्रतिशत), बहुसंख्यक हिन्दुओं के लिए खतरा है। सीएए-एनआरसी ने मुसलमानों को और भयभीत कर दिया। उन्हें लगा कि बड़ी संख्या में मुसलमानों को मताधिकार से वंचित किया जा सकता है। सरकार ने लगातार ये आश्वासन दिए कि मुसलमानों को नागरिकता से वंचित करने का उसका कोई इरादा नहीं है। परन्तु इन झूठे आश्वासनों पर मुसलमानों ने भरोसा नहीं किया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों पर पुलिस की बर्बर कार्रवाइयों ने आग में घी का काम किया। एक अर्थ में शाहीन बाग आन्दोलन, स्वतंत्र भारत में मुसलमानों की वंचना और उन पर अत्याचारों के खिलाफ प्रतिरोध की सजग अभिव्यक्ति थी। उससे भाजपा के इस दावे की पोल खुल दी कि सरकार की नीतियों के कारण मुस्लिम महिलाएं उससे बहुत प्रसन्न हैं। इस आन्दोलन ने इस धारणा को भी गलत सिद्ध कर दिया कि मुसलमान महिलाएं अपने पुरुषों के अधीन हैं और उनकी आज्ञा के बिना कुछ नहीं कर सकतीं। मुसलमानों के साथ हो रहे अन्याय के विरोध में यह आन्दोलन एक मजबूत आवाज बन कर उभरा। इतनी जोरदार आवाज पहले कभी न उठी थी। इस आन्दोलन ने यह भी सिद्ध कर दिया कि मुसलमानों की निष्ठा भारतीय संविधान के प्रति है न कि शरीयत के प्रति। यह आन्दोलन पूरी तरह से स्वस्फूर्त था। आन्दोलनकारियों ने तिरंगे और संविधान की उद्देश्यिका को अपने प्रतीक बनाया। आन्दोलन स्थल पर गांधी और नेहरु के अलावा अम्बेडकर, पटेल, मौलाना आजाद और भगतसिंह के चित्र भी लगाये गए। आप दिल्ली में अपने आधार को मजबूत करना चाहती है। राष्ट्रीय स्तर के भ्रष्टाचार के मुद्दे बहुत पहले उसके एजेंडा से गायब हो चुके हैं। वह अब भाजपा-मार्का अति-राष्ट्रवाद की पैरोकार बन गई है। और इसीलिये वह शाहीन बाग के प्रजातान्त्रिक जनांदोलन को बदनाम करना चाहती है- उस आन्दोलन को जो आजादी की बात करता था, जो श्हम देखेंगेय् गाता था और जो यह जोर देकर कहता था कि हिंदुस्तान किसी के बाप का नहीं है।

सम्पादकीय

रोजगार नहीं, तो भत्ते का इंतजाम

जब अप्रैल में लॉकडाउन के बावजूद लाखों लोग सड़कों पर उतर आए, तो वे गुस्सा नहीं दिखा रहे थे। वे सब बस अपने घर जा रहे थे। उन शहरों से नाउम्मीद होकर, जो अब तक उनका बसेरा ही नहीं, एक बेहतर भविष्य का रास्ता भी थे। देश भर में तालाबंदी थी, तो रोजगार पर मार पड़नी ही थी, मगर हालात कितने बिगड़ गए थे, इसका जवाब तब मिला, जब अर्थव्यवस्था को पढ़ने वाली सबसे भरोसेमंद संस्था सीएमआईई ने बताया कि सिर्फ अप्रैल महीने में देश में 12 करोड़ से ज्यादा लोग बेरोजगार हो गए थे। राहत की बात है कि सीएमआईई के ताजा आंकड़ों के अनुसार इसमें तेज सुधार हुआ है। बेरोजगारों की गिनती घटकर जुलाई में एक करोड़ के आसपास रह गई, यानी 11 करोड़ लोग वापस काम पर लग चुके हैं। मगर ध्यान देने की बात है कि यह बेरोजगारी असंगठित क्षेत्र की है। ये दिहाड़ी पर काम करने वाले लोग हैं, इसीलिए इन्हें वापस काम मिलना उतना मुश्किल नहीं था। मनरेगा पर खर्च हुई रकम भी काम आई है। यानी सरकार के 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का सीधा फायदा यहां दिखाई पड़ा है। दूसरी तरफ, एक और बुरी खबर है, वह यह कि नौकरी-पेशा लोगों के बेरोजगार होने की रफ्तार तेज हो गई है। अप्रैल से जुलाई के बीच ऐसे 1.90 करोड़ लोगों की नौकरी जा चुकी है, इनमें से 50 लाख लोग तो सिर्फ जुलाई में नौकरी से बाहर हुए हैं। यह चिंता की बात इसलिए है कि दिहाड़ी मजदूरों की तरह इनके लिए दोबारा काम पाना आसान नहीं है। वैकेंसी, विज्ञापन, टेस्ट, इंटरव्यू के सिलसिले से बार-बार गुजरना कई बार आत्मविश्वास को भी तोड़ देता है। और अगर कुछ कर्ज है, तो ईएमआई का दबाव अलग से है। ऐसे में, कम तनख्वाह वाले बहुत से लोगों के लिए सरकार की तरफ से एक राहत वाली खबर आई है। जो लोग कर्मचारी राज्य बीमा निगम, यानी ईएसआईसी के तहत आते हैं, उन्हें अब तीन महीने के लिए कमाई की आधी रकम बीमा स्कीम से मिलेगी। अभी तक ऐसे लोगों को सिर्फ एक चौथाई रकम ही मिलती थी। ईएसआई के नियमों के तहत जो लोग दो साल से ज्यादा नौकरी में रहकर ईएसआई का प्रीमियम भरते हैं, उन्हें बेरोजगार होने की स्थिति में यह पैसा अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना के तहत मिलता है। अभी तक बेरोजगार होने के 90 दिन बाद ही इस बेरोजगारी भत्ते का दावा किया जा सकता था, लेकिन यह समय घटाकर 30 दिन कर दिया गया है। खासकर कोरोना की मार से बेरोजगार हुए लाखों लोग इसका सहारा ले पाएंगे। ईएसआई स्कीम उन जगहों पर लागू होती है, जहां कम से कम दस लोग काम करते हों और इसके सदस्य वही लोग होते हैं, जिनकी महीने की कमाई 21,000 रुपये से कम हो। यानी एक व्यक्ति को कुल मिलाकर 31,500 रुपये ही मिलेंगे। ईएसआई के पास 78,000 करोड़ रुपये जमा हैं। अनेक व्यापार और उद्योग संगठन सरकार पर दबाव डाल रहे थे कि इस पैसे को निकालकर कामगारों की तनख्वाह देने के लिए इस्तेमाल किया जाए, मगर सरकार इनकार करती रही। उसका तर्क था कि यह रकम कामगारों को बेहद मुसीबत की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता देने के लिए ही निकाली जा सकती है। अब सरकार ने इसकी शर्तों में ढील देकर बहुतों की जिंदगी आसान कर दी है। यह फैसला ऐसे समय पर हुआ है, जब पूरी दुनिया में बेरोजगारी भत्ते पर बहस छिड़ी हुई है। नोबेल विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी तक यह तर्क दे चुके हैं कि आने वाले वक्त में सरकार को हर आदमी के लिए यूनिवर्सल बेसिक इनकम यानी भत्ते या पेंशन का इंतजाम करना पड़ेगा। जिस तरह से मशीनीकरण बढ़ रहा है और रोजगार के मौके कम होते जा रहे हैं, वहां इस मांग को बेतुका कहना भी मुश्किल है। कोरोना की वजह से भी बहुत से काम-धंधे सिमटते जा रहे हैं। बीते हफ्ते ही एक रिपोर्ट से पता चला कि भारत में बड़ी कंपनियों ने 60 लाख वर्ग फुट, यानी करीब 78 फुटबॉल मैदानों के बराबर जगह खाली की है। यह 'ए' ग्रेड, यानी सबसे महंगे व्यावसायिक ऑफिस स्पेस थे, जिसका किराया जगह के हिसाब से 100-200 रुपये फुट या उससे ज्यादा भी होता था और रखरखाव ऊपर से। रोजगार पर अभी खतरा बना रहेगा। उधर अमेरिका में भी बेरोजगारी भत्ता मांगने वाले नए लोगों की गिनती जुलाई में फिर बढ़कर 11 लाख हो गई है। इससे वहां की अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेतों पर सवाल उठने लगे हैं। नए आंकड़े जारी करते वक्त भी अमेरिकी श्रम विभाग ने इनके लिए 'अप्रत्याशित' विशेषण इस्तेमाल किया, यानी ये आंकड़े सारी उम्मीदों पर पानी फेरते दिख रहे हैं। यूरोप में और दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी बेरोजगारी और बेरोजगारी भत्ता इस वक्त के सबसे गंभीर मुद्दे बने हुए हैं। खासकर इसलिए, क्योंकि अभी कोरोना संकट खत्म होना तो दूर, उसके आसार तक नहीं दिख रहे। अब सरकारें परेशान हैं कि इस हाल में बेरोजगारी भत्ता या रोजगार बनाए रखने के लिए कंपनियों को दी जाने वाली मदद वे कब तक जारी रख पाएंगी? कोरोना के मामले फिर बढ़ने से उन पर दबाव बन रहा है कि वे ऐसी स्कीमों को बढ़ाती चलें। अमेरिका के मुकाबले यूरोप में बेरोजगारी की दर कम बढ़ती दिखी, इसकी वजह यही है कि वहां की सरकारों ने कंपनियों को पैसा दिया, ताकि वे वेतन बांट सकें और लोगों को नौकरी से न निकालें। न्यूजीलैंड में तो 50 प्रतिशत से ज्यादा रोजगार इसी भरोसे चल रहा है। फ्रांस में 40 प्रतिशत और पुर्तगाल व जर्मनी में 20 प्रतिशत से ज्यादा रोजगार ऐसी ही मदद पाकर चल रहे हैं। यही वजह है कि इन देशों में अमेरिका जैसी बेरोजगारी नहीं दिखाई पड़ी, लेकिन हर जगह यह अस्थाई योजना थी।

पैतृक सम्पत्ति में बेटी का हक

सर्वोच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय पीठ ने हिन्दू उत्तराधिकार कानून की नये सिरे से व्याख्या करके फैसला दिया है कि पैतृक सम्पत्ति में बेटी का हक अनिवार्य है। इससे पहले दो न्यायाधीशों की पीठ ने प्रकाश बनाम फूलवती केस में कहा था कि संशोधित कानून की धारा-6 पूर्व से लागू नहीं होगी। अब विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा केस के ताजा फैसले में तीन सदस्यीय पीठ ने उससे असहमति जताते हुए उसे पिता के जीवित होने या न होने से जोड़ने से भी मनाकर दिया है। यह भी कहा है कि पैतृक सम्पत्ति के मौखिक बंटवारे की दलीलें स्वीकार नहीं की जायेंगी और कानून की धारा-6 (5) के अनुसार उसका बंटवारा रजिस्टर्ड डीड से या फिर कोर्ट की डिक्री से होना चाहिए, ताकि बंटवारे में अनुचित तरीके अपनाकर बेटियों को हक से वंचित न किया सके। तीन सदस्यीय पीठ के अनुसार बेटी का इस संबंधी हक जन्मसिद्ध है और उसे इससे किसी भी बहाने वंचित नहीं किया जा सकता। चूंकि अब अदालतों में लम्बित इस सम्बन्धी विभिन्न मामलों में टॉप कोर्ट की यही व्यवस्था लागू होगी, इसलिए निर्देशित किया गया है कि सम्बन्धित न्यायालय उनमें शीघ्र निर्णय करके व्यवधानों से मुक्त करें। दरअसल, यह मामला 2016 व 2018 के दो विरोधाभासी फैसलों के बाद कानूनी व्यवस्था तय करने के लिए तीन न्यायाधीशों की पीठ को भेजा गया था, जिसमें सवाल उठाया गया था कि संशोधित कानून कब से लागू होगा और क्या 9 सितम्बर, 2005 यानी संशोधन से पहले पैदा हुई बेटी भी इसके तहत पैतृक सम्पत्ति पर अधिकार का दावा कर सकती है? प्रसंगवश, हिन्दू मान्यता के अनुसार बेटी को परिवार का हिस्सा माना ही नहीं जाता। कहा जाता है कि वह पराई होती है और विवाह के बाद ही उसके घर व अधिकार की व्यवस्था आरम्भ होती है। इस विवाह व्यवस्था को लागू हुए लगभग 6000 वर्ष हुए हैं और इससे पहले की मातृसत्तात्मक व्यवस्था में एक साथ रहने के लिए विवाह व परिवार अनिवार्य शर्तें नहीं थीं। लेकिन अब हिन्दू मान्यताओं में विवाह की अनिवार्यता भी शामिल है, जिसके अनुसार बेटी का परिवार उसके विवाह के बाद ही अस्तित्व में आता है। स्थायी और अस्थायी सम्पत्तियों में स्थायी सम्पत्ति आमतौर पर पैतृक अधिकार द्वारा अर्जित की जाती है, जिसके बंटवारे में बेटियों को पराया माना जाता रहा है। जहां तक अस्थायी सम्पत्ति का प्रश्न है, नकदी, जेवर या अन्य सम्पत्तियों के रूप में उसका बंटवारा तो आसान है, लेकिन विवाहित बेटी दूसरे घर को अपना घर मानकर जायेगी और पैतृक सम्पत्ति के नाम पर पिता की भूमि भी पायेगी, तो एक तो भूमि का टुकड़ों में वितरण बढ़ेगा और दूसरे, वह उसकी व्यवस्था से भी जुड़ जायेगी। आमतौर पर बेटियों के पिता के घर और ससुराल में लम्बी दूरी होती है। ऐसे पिता से मिली भूमि के प्रबन्धन का उसके पास एक ही रास्ता बचेगा कि वह उसे बेच ले, जिस पर कोई पाबन्दी नहीं है। लेकिन उसके हिस्से की भूमि पुराने रूप में बची रही, तो बेटी का मायके व ससुराल का द्वन्द्व बढ़ता ही जायेगा। इस रूप में यह सवाल लिंगभेद से उत्पन्न समस्याओं व कठिनाइयों से भी जुड़ जाता है। क्योंकि बेटे तो पैतृक सम्पत्ति में अपना हिस्सा लेकर बाप से अलग रह सकते या उनसे मुक्ति पा सकते हैं, लेकिन बेटी का घर तो उसके हिस्सा लेने के बाद भी उसके पति का घर ही रहेगा। कहा जा रहा है कि इससे उसके आर्थिक आधार में मजबूती आयेगी और भारतीय समाज की महिलाओं को द्वितीय श्रेणी का नागरिक मानने की परम्परा बदलेगी। विवाह के बाद बेटी नैहर की पैतृक सम्पत्ति लायेगी तो उससे उसका नया परिवार भी लाभान्वित होगा, क्योंकि वह सम्पत्ति उसकी संयुक्त सम्पत्ति का हिस्सा बन जायेगी। लेकिन बेटी और उसकी सम्पत्ति को परिवार से पृथक माना गया तो परिवार में संयोजन के बजाय वियोजन की प्रवृत्तियों का विस्तार होगा। हम जानते हैं कि बेटी हो या बेटा, दोनों का जन्म एक ही प्रक्रिया के अनुसार होता है। लेकिन हमारे देश और समाज में अभी बेटी को समाज व परिवार में बेटों जैसे निर्णायक अधिकार पूरी तरह से नहीं मिल पाये हैं। ऐसे में नैतिक दृष्टि से यह उचित ही है कि बेटी को अधिकारसम्पन्न किया जाये क्योंकि वह सृष्टि के मूल कारणों में है और उसके बगैर यह संसार ही नहीं चल पायेगा। मातृसत्तात्मक और पितृसत्तात्मक व्यवस्थाओं में मूल अन्तर यही है कि इनमें से एक भेदभावकारी है और दूसरी परिवार को छोटा के बजाय बड़ा बनाती रही है। इस बड़े परिवार की स्वतंत्रताएं पुरुषवर्चस्व वाले समाज जैसी नहीं होतीं। सृष्टि के विकासक्रम में अब स्वतंत्र जीवन और बिना शादी-विवाह के सहजीवन तक को

विधिक व संवैधानिक स्वीकृतियां मिल गयी हैं, लेकिन मूल प्रश्न अब भी बरकरार है कि महिलाओं की समान स्थिति के लिए वे कौन से मूल आधार हैं, जिनसे उन्हें वंचित नहीं किया जाना चाहिए? पितृसत्तात्मक समाज में पैतृक सम्पत्ति में बेटी के अधिकार वाली व्यवस्था को अनुचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन सवाल है कि इससे समाज के वर्तमान स्वरूप में जो परिवर्तन होगा, उसको समाज व युग के अनुकूल व लाभकारी कैसे बनाया जायेगा? सर्वोच्च न्यायालय ने इस कानून की जो व्याख्या की है, निश्चित ही वह कल्याणकारी है। इसके साथ सामाजिक न्याय भी जुड़ा हुआ है और यह लैंगिक भेदभाव का निषेध भी करती है। कुछ पिछड़ी मानसिकता वाले इसका विरोध कर सकते हैं, लेकिन उन्हें समझना चाहिए कि युगों के साथ व्यवस्थाएं भी बदलती रहती हैं। इसलिए यह नहीं माना जा सकता कि प्राचीन व्यवस्थाएं आज के युग में पूरी तरह लाभकारी हो सकेंगी। क्योंकि हम समाज को घुमाकर पीछे की ओर ले जाने में समर्थ नहीं हैं और नई समाज व्यवस्था मानवीय स्वीकार्यता पर ही आधारित होगी। उसमें छोटी-मोटी कमियां और गलतियां हों भी तो उनकी आड़ में लैंगिक भेदभाव की वकालत नहीं की जा सकेगी। महिलाओं को स्वीकार्य और बराबर ही मानना पड़ेगा, हीन नहीं। इसीलिए तो हमने उन्हें हीन मानने वाली तमाम पुरानी मान्यताओं को त्यागकर समानता के संवैधानिक अधिकार से लैस किया है। पुराने युग में उनको युद्ध के क्षेत्रों से परे करार दिया जाता था, लेकिन अब सैन्य व्यवस्था में परिवर्तन करके पुरुष उच्चताबोध और अधिकारिता के मानकों के विपरीत महिलाओं को भी शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, उन्हें सेना के अधिकारियों की बराबरी में लाया गया है। अब हम समाज का कोई अंग ऐसा नहीं छोड़ना चाहते, जिसमें महिलाओं को द्वितीय श्रेणी का, अक्षम और हीन मानकर अलग रखा जाये। इसलिए कि हम जानते हैं कि ऐसा करना लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले संवैधानिक समाज की कल्पनाओं के अनुकूल नहीं होगा, क्योंकि हमें समाज को संयोजित करना है, वियोजित नहीं। पुरातन पद्धति तत्कालीन समाज व्यवस्था की आवश्यकता रही होगी, लेकिन वह आज के लोकतांत्रिक युग के अनुरूप नहीं रह गई है।

नयी शिक्षा नीति में स्कूली शिक्षा

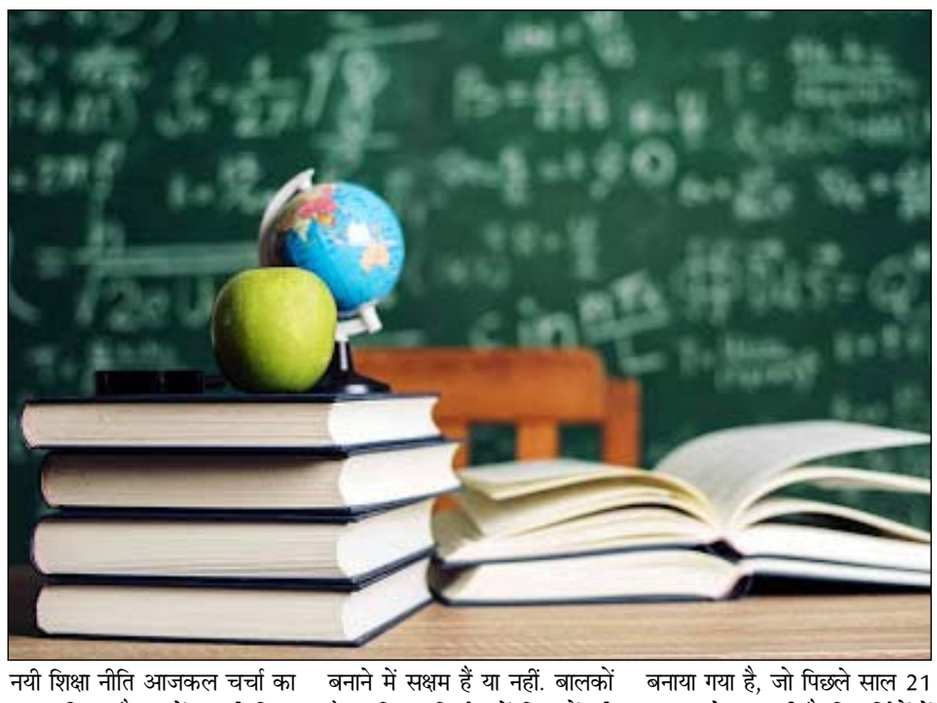

नयी शिक्षा नीति आजकल चर्चा का प्रमुख विषय है. इसमें स्कूली शिक्षा को लेकर जो नीतियां बनायी गयी हैं, उनको व्यावहारिक स्तर पर लागू करने हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं. देखना यह है कि ये कदम वर्तमान स्कूली शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन कर उसे ज्यादा उपयोगी बनाने में सक्षम हैं या नहीं. बालकों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. नयी शिक्षा नीति में स्कूल संचालकों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए 'निष्ठा' (नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट) प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाया गया है, जो पिछले साल 21 अगस्त से चालू भी है. विद्यार्थियों में सीखने क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से ही शिक्षकों के लिए यह कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है. शिक्षक प्रशिक्षण का ही एक और कार्यक्रम 'स्सेर्ट' (द स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग) है, जिसकी स्थापना पांच जनवरी, 1979 को ही की गयी थी. नयी नीति में इसकी गतिविधियों को तेज करते हुए इसमें कई नये आयाम जोड़े गये हैं. इसकी परिकल्पना स्कूली शिक्षा के लिए 'वन नेशन वन डिजिटल पोर्टलश् के रूप में की गयी है, जो केंद्रीय एजेंसियों (जैसे एनसीइआरटी, सीबीएसइ आदि) तथा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा ई-कंटेंट की सुविधा प्रदान करता है. अभी तक इसके अंतर्गत लगभग 95,000 ई-कंटेंट विषयवस्तु अपलोड किये गये हैं और ये 15 भाषाओं में उपलब्ध है. नयी शिक्षा नीति में स्कूली शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरने की बात की गयी है. विश्वभर के पंद्रह वर्ष तक के स्कूली बच्चों के मूल्यांकन हेतु बने 'पीसा' (प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट) में भारत की भागीदारी के लिए सैद्धांतिक मंजूरी ली गयी है. अभी तक 79 देश इसके सदस्य हैं. यह एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके दूरगामी परिणाम होंगे. इसमें शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार सीखने-सिखाने की प्रणाली के अंतर्गत प्रशिक्षित किये जाने का प्रावधान है. अभी 10,058 स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा शुरू कर दी गयी है. इसमें 19 क्षेत्रों के अंतर्गत आनेवाले 55 भिन्न रोजगारों से जुड़े व्यावसायिक पाठ्यक्रम छात्रों को प्रदान किये जा रहे हैं. स्टार्स (स्ट्रेंथेनिग टीचिंग-लर्निंग एंड रिजल्ट्स फॉर स्टेट्स प्रोग्राम) का उद्देश्य भी छात्रों को उनके स्कूली जीवन में ही व्यवसाय और बाजार से परिचित कराना है. विश्व बैंक द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त 'स्टार्स' चयनित छह राज्यों के विद्यालयों में श्रेष्ठ शिक्षा और बाजार के अंतरसंबंध का भी मूल्यांकन करते हुए छात्रों को नौकरी के बजाय व्यवसाय से आत्मनिर्भर बनाने की ट्रेनिंग पर बल दे रहा है. मदरसों,अल्पसंख्यक स्कूलों को तकनीकी संपन्न बनाते हुए मुख्यधारा में जोड़ने की वृहद योजना इस नीति में है. इस नीति के तहत पांचवीं कक्षा (इसे आठवीं तक बढ़ाया जा सकता है) तक मातृभाषा में शिक्षा देना है. इसके साथ ही छात्रों को भारत की बहुभाषिक संस्कृति से परिचित कराने हेतु 'भाषा संगम' पाठ्यक्रम बनाया गया है, जिसके तहत संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भारतीय भाषाओं से परिचित कराया जायेगा. अब स्कूलों में गणित तथा विविध विज्ञान की पुस्तकें भी दो भाषाओं में उपलब्ध होंगी. इससे छात्रों को विषय समझने में भाषा की जटिलताओं से नहीं जूझना पड़ेगा. नयी शिक्षा नीति में खेल और स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान दिया गया है. प्रत्येक स्कूल में हर छात्र का स्वास्थ्य कार्ड बनेगा और निश्चित अंतराल पर उनके स्वास्थ्य का परीक्षण किया जायेगा. नीति में मानसिक स्वास्थ्य पर भी पर्याप्त बल दिया गया है. 'मनोदर्पण' (इसकी शुरुआत कोविड-19 के दौरान की गयी) विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को मनोवैज्ञानिक और सामाजिक संदर्भों में सहायता प्रदान करता है. मंत्रालय द्वारा निःशुल्क राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर और वेब पेज भी शुरू किया गया है. स्कूली शिक्षा से संबंधित सारी विस्तृत जानकारी की आसानी से उपलब्धता के लिए शगुन ऑनलाइन जंक्शन प्रारंभ किया गया है. बच्चे देश के भविष्य होते हैं. उनमें हम जितना निवेश करेंगे, हमारा भविष्य उतना ही उज्ज्वल और उन्नत होगा.

सार समाचार .....

रविचंद्रन अश्विन ने बताया मांकडिंग का विकल्प

नई दिल्ली एजेंसी। कुछ दिन पहले दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा था कि वे रविचंद्रन अश्विन को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार मांकडिंग नहीं करने देंगे। पोंटिंग के बयान के बाद से ही मांकडिंग को लेकर फिर से बहस छिड़ गई है। कई भारतीय दिग्गज अश्विन के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने मांकडिंग को गलत नहीं बताया है। अब भारतीय स्पिनर अश्विन ने भी इसका विकल्प सुझाया है। उन्होंने क्रिकेट में गेंदबाजों को बल्लेबाजों जैसा ही ट्रीटमेंट दिए जाने की बात की है। आईपीएल 2020 में रविचंद्रन अश्विन दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं। अश्विन एक नया विचार लेकर आए हैं। इसमें उन्होंने कहा है कि गेंदबाजों के लिए 'फ्री बॉल' होनी चाहिए, जैसे बल्लेबाजों के लिए 'फ्री हिट' है। बता दें कि जब कोई गेंदबाज नो-बॉल फेंकता है, तो बैटिंग साइड को फ्री हिट मिलती है। नो-बॉल के बाद, बाद फेंकी गई गेंद को 'फ्री हिट' कहा जाता है। उस गेंद में बल्लेबाज को रन आउट करने के अलावा किसी अन्य तरीके से आउट नहीं किया जा सकता है। अश्विन ने कहा, 'अगर नॉन-स्ट्राइकर एंड पर बल्लेबाज गेंद डालने से पहले क्रीज छोड़ देता है तो गेंदबाज को 'फ्री बॉल' मिलनी चाहिए। बल्लेबाज अगर 'फ्री बॉल' पर आउट हो जाता है, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम के 5 रन कम कर दिए जाने चाहिए। फ्री हिट बल्लेबाजों को सहूलियत देता है। अब हमें (गेंदबाजों) को भी एक मौका दिया जाना चाहिए। मैच देखते समय हर कोई गेंदबाजों से भी अच्छा करने की उम्मीद करता है।' रविचंद्रन अश्विन पिछले साल किंग्स इलेवन पंजाब की ओर से खेल रहे थे। तब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के ओपनर जोस बटलर को 'मांकडिंग' से आउट किया था। इसके बाद खेल भावना को लेकर काफी सवाल उठने लगे थे। कई खिलाड़ी इसे नियमों तहत बताने लगे तो कई खेल भावना के खिलाफ। पोटिंग ने इसे खेल भावाना के खिलाफ बताया था। उन्होंने कहा था कि वे अश्विन को ऐसा करने से रोकेंगे।

पोंटिंग के बयान पर भारतीय महिला टीम के कोच डब्ल्यूवी रमन ने उन पर तंज कसा था। रमन ने कहा था कि ऐसा करने से रोकना कीपर को स्टंपिंग करने से रोकने के बराबर है। वहीं, टीम इंडिया के पूर्व ओपनर आकाश चोपड़ा ने आशंका जताई थी कि आईपीएल 2020 के दौरान इस मुद्दे को लेकर अश्विन और पोंटिंग में विवाद हो सकता है। आकाश ने कहा था, नियमों के मुताबिक आप अगर क्रीज के बाहर जाते हैं तो आपको रनआउट करार दिया जाएगा। मैं भी नियमों के साथ हूं। आपने अगर रेड लाइट क्रॉस कर दी तो नियम को तोड़ दिया और आपका चलान कटेगा।

ऋषभ पंत के नाम है डेथ ओवर्स में बल्लेबाजी का ये अनूठा रिकॉर्ड

नई दिल्ली एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग को चौक्कों और छक्कों का ही खेल कहा जाता है. इस खेल में जो बल्लेबाज सबसे ज्यादा धुआंधार मचाकर रनों की बौछार लगाता है, उसके खेल को उतना ही शानदार माना जाता है. लेकिन इसमें भी आखिरी ओवरों के दौरान विस्फोटक खेल दिखाने वाले बल्लेबाजों या उन्हें रोकने में सफल होने वाले गेंदबाजों को सबसे खास कहा जाता है. इस मायने में दिल्ली कैपिटल्स के शानदार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की भी अनदेखी नहीं की जा सकती. पंत ने अपनी छवि एक जबरदस्त विस्फोटक बल्लेबाज की बनाई है।

गांगुली ने पाकिस्तान के खिलाफ धोनी को नंबर 3 पर बैटिंग करने भेजा था

दिल्ली | एजेंसी।

हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले टीम इंडिया पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी को लेकर बीसीसीआई अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने एक बड़ा खुलासा किया है. दादा ने बताया है कि जब धोनी अपने क्रिकेट करियर के शुरुआती मुकाबले खेल रहे थे, तब उन्हें नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने क्यों भेजा. साथ ही सौरव गांगुली का मानना है कि अगर एमएस धोनी इंटरनेशनल क्रिकेट में लगातार तीन नंबर पर बैटिंग करते रहते तो वो शायद मौजूदा समय में माही के आंकड़े और भी शानदार होते। दरअसल सौरव गांगुली ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो के दौरान इस बात को सामने रखा है कि साल 2005 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच विशाखापत्तनम में वनडे मैच खेला जा रहा था, तब उन्होंने धोनी को नंबर तीन पर बैटिंग करने इसलिए भेजा था, क्योंकि दादा जानते थे कि धोनी में तेज गति से रन बनाने की काबिलियत काफी है. दरअसल सौरव ने बताया कि चैलेंजर्स ट्रॉफी के दौरान धोनी ने उनकी टीम से सैंकड़ा लगाया था. इसलिए दादा धोनी की बल्लेबाजी शैली से भलि भांति परिचित थे। उसके बाद विशाखापट्टनम में जिस तरह से धोनी ने पाक टीम के बॉलिंग अटैक की धज्जियां उड़ाईं उसके हम सब गवाह हैं. धोनी ने 148 रनों की शानदार पारी खेली थी. सौरव गांगुली के अनुसार धोनी को 3 नंबर पर भेजने की वजह यह भी थी कि उन्हें ज्यादा से ज्यादा गेंदें खेलने का मौका मिले. एक क्रिकेटर तभी अपने टेलेंट को दिखा पाता है, जब उसे क्रीज पर अधिक समय बिताने का मौका मिले. गांगुली ने दूसरी ओर भारत के महान दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का उदाहरण देते हुआ बताया कि अगर सचिन 6 नंबर पर खेलते तो शायद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक नहीं लगा पाते। इसके साथ ही दादा धोनी के छक्के लगाने के हुनर से बेहद प्रभावित हुए. यही कारण रहा जो सौरव गांगुली की कप्तानी में कई मौके पर धोनी को टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करने का मौका मिला था. जिसका माही ने भरपूर फायदा उठाते हुए एक से एक धमाकेदार पारियां खेलीं. हालांकि धोनी ने अपने कप्तानी के दौरे में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करना सही समझा और क्रिकेट के अंतिम सफर में धोनी बतौर मिडिल ऑर्डर बैट्समैन के तहत रिटायर्ड हुए।

इन बल्लेबाजों ने ड्रेसिंग रूम में की हैं गेंदबाजों की जमकर धुलाई

नयी दिल्ली , एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में कई ऐसे खतरनाक बल्लेबाज हैं, जो गेंदबाजों की जमकर बखिया उधेड़ते हैं. जब ये बल्लेबाज क्रीज पर उतरते हैं, तब बॉलर्स भी इनके सामने बॉलिंग करने से कतराते हैं. क्योंकि इन बल्लेबाजों ने आईपीएल में अपनी विस्फोटक बैटिंग का अनोखा नजारा पेश किया है. ऐसे में आइए इस लेख में जानते हैं. आईपीएल इतिहास के उन 5 बल्लेबाजों के नाम, जिन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट से रन बटोरे हैं। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल के धुआंधार खेल का अदांज आईपीएल में भी रहता है. लंबे-लंबे छक्के मारने का शौक रखने वाले ग्लेन मैक्सवेल आईपीएल में 161.13 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं. मालूम हो कि इस बार ग्लेन मैक्सवेल किंग्स इलेवन पंजाब की ओर से खेलते दिखाई देंगे। दिल्ली कैपिटल्स और टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आईपीएल में सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक हैं. पंत मैदान के चारों ओर चौके और छक्के मारने का हुनर रखते हैं. यही वजह है जो ऋषभ पंत के आईपीएल करियर स्ट्राइक रेट 162.69 का है, जो ये साबित करता है कि पंत किस कदर बॉलर्स पर हावी रहते हैं।

पाकिस्तानी क्रिकेटर का समधी है डॉन

कोलंबो एजेंसी। भारत के नंबर वन दुश्मन दाऊद इब्राहिम के कराची में होने की बात से अब पाकिस्तान पलट चुका है। भारत में दाऊद इब्राहिम ने किस तरह आतंक मचाया यह सभी जानते हैं आज हम आपको बताते हैं कि दाऊद की बॉलीवुड और खेल जगत में किस तरह दखलअंदाजी थी। अभिनेत्री अनीता अयूब से रहा अफेयर- दाऊद इब्राहिम का नाम बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों से जुड़ चुका है। इन्हीं में से एक अभिनेत्री हैं अनीता अयूब। कहा जाता है कि अनीत अयूब को जब एक मशहूर निर्माता जावेद सिद्दीकी ने अपनी फिल्म में कास्ट करने से इनकार कर दिया था तब दाऊद ने जावेद को मौत के घाट उतरवा दिया था। अनीता अयूब और दाऊद इब्राहिम की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। मंदाकिनी से की शादी- फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' में लीड रोल निभाने वाली चर्चित अभिनेत्री मंदाकिनी से भी डॉन के अफेयर के चर्चे रहे हैं। कहा जाता है कि इस फिल्म में मंदाकिनी को देखने के बाद दाऊद ने यह तय किया था कि वो मंदाकिनी से ही शादी करेगा। बताया जाता है कि दाऊद इब्राहिम से मंदाकिनी के अफेयर के चर्चे इतने गर्म हुए कि बॉलीवुड में मंदाकिनी को फिल्में ना के बराबर मिलती थीं। चर्चा तो यह भी है कि दाऊद और मंदाकिनी ने शादी भी रचाई थी हालांकि बाद में दोनों का तलाक हो गया था। दाऊद से अफेयर के बाद मंदाकिनी का फिल्मी करियर भी खत्म हो गया। क्रिकेट की दुनिया में थी दखलअंदाजी- कहा जाता है कि तमाम अपराधिक गतिविधियों के साथ ही दाऊद ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में पैसा लगाया और क्रिकेट में भी अब वो दखल देने लगा था। उसे कई बार दुबई में क्रिकेट स्टेडियम में देखा गया। पुलिस के मुताबिक दाऊद मैच फिक्स कराता था और उस पर सट्टा लगाकर करोड़ों का मुनाफा कमाता था। पाकिस्तान के मशहूर क्रिकेटर जावेद मियादांद, दाऊद इब्राहिम के समधी हैं। जावेद मियादांद के अलावा कई बड़े क्रिकेटरों से भी दाऊद का नाम जोड़ा जाता रहा है। पिता ने घर से निकाल दिया- एक दिलचस्प बात यह भी है कि भारत के इस सबसे बड़े दुश्मन का जन्म महाराष्ट्र के ही खेद रत्नागिरी में हुआ था। दाऊद के पिता इब्राहिम कस्कर पेशे से मुंबई पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल थे। 9वीं क्लास तक पढ़ाई करने के बाद दाऊद ने पढ़ाई-लिखाई छोड़ दी। दाऊद ने सबसे पहले एक बिजनेसमैन को लूटा और जरायम की दुनिया में कदम रखा। इस अपराध के बाद उसके पिता ने उसे घर से निकाल दिया था।

इस सीजन में ये 4 कैरेबियन प्लेयर्स मचा सकते हैं धमाल

नयी दिल्ली , एजेंसी। आईपीएल में अगर किसी देश के खिलाड़ियों का सबसे अधिक बोलबाला रहता है, तो वो हैं वेस्टइंडीज के प्लेयस. 'आईपीएल इतिहास इस बात का गवाह है कि कैरेबियन खिलाड़ियों ने दुनिया की सबसे बड़ी इस लीग का नाम कितना रोशन किया है. ऐसे में आईपीएल का मंच एक बार फिर से तैयार है और इतिहास अपने आप को दोहराने के लिए बेताब है, क्योंकि आगामी आईपीएल 2020 में वेस्टइंडीज के इन 4 धुरंधर खिलाड़ियों अपनी कमर कस ली है। वेस्टइंडीज के करामाती गेंदबाज सुनील नरेन गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी आईपीएल में घातक साबित होते हैं. 2 बार की आईपीएल विजेता टीम केकेआर की तरफ से खेलते हुए नरेन ने कई मौकों पर यह दिखाया है कि वे टी20 क्रिकेट में क्यों सबसे अलग और खास हैं. सुनील नरेन ने 110 आईपीएल मैचों में 168.34 के दमदार स्ट्राइक रेट से 771 रन बनाने के साथ-साथ 122 विकेट भी झटके हैं। आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेलने वाले वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी ड्वेन ब्राबो आईपीएल के सबसे बड़े एंटरटेनर प्लेयर हैं. ड्वेन ब्राबो को मैच से बाहर नहीं रखा जा सकता, क्योंकि वह अपनी कमाल की फील्डिंग, गेंदबाजी और लाजवाब बल्लेबाजी से सबका मनोरंजन करते रहते हैं. ड्वेन ब्राबो के आईपीएल करियर पर गौर किया जाए तो उन्होंने 134 मैचों में 1 हजार 483 रन बनाए और 147 विकेट भी अपने नाम किए हैं. जबकि ड्वेन ब्राबो का बैटिंग स्ट्राइक रेट 128.28 का रहता है। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए अगर कोई इक्का साबित होता है तो वह वेस्टइंडीज के सबसे आक्रमक ऑल राउंडर आंद्रे रसेल हैं. आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा 186.41 के स्ट्राइक रेट गेंदबाजों की धुनाई करने वाले रसेल ने अपने आईपीएल करियर के 64 मुकाबलों में 1400 रन बनाए हैं. इसके अलावा रसेल ने 55 विकेट भी अपने नाम किए हैं। कैरेबियन बल्लेबाज क्रिस गेल के इर्दगिर्द ही आईपीएल का इतिहास घूमता है. गेल ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से कई मौकों पर विपक्षी टीम के हौसलों को पस्त किया है. आईपीएल में गेल वेस्टइंडीज के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक हैं. आंकड़े इस बात के गवाह है कि आईपीएल में क्रिस गेल का कद सबसे ऊंचा क्यों हैं. दरअसल गेल ने 125 आईपीएल मैचों में 151.02 के आतिशी स्ट्राइक रेट 4 हजार 484 रन बनाए हैं, जबकि क्रिस गेल का बेस्ट स्कोर नाबाद 175 रन है. इसके साथ ही गेल ने आईपीएल में सबसे तेज 30 गेंदों में सैंकड़ा भी जड़ा है।

पापा ने क्रिकेट खेलने से रोका था

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम में कुछ खिलाड़ी ऐसी हैं, जिनका नाम किसी भी मैच की प्लेइंग इलेवन तय करते समय सबसे पहले लिख लिया जाता है यानी इन खिलाड़ियों के बिना टीम की कल्पना नहीं की जाती. इन खिलाड़ियों में जहां बल्लेबाजों में मिताली राज, हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना जैसी खिलाड़ी शामिल हैं तो गेंदबाजी विभाग में यही बात पूनम यादवके साथ जुड़ी हुई है. 24 अगस्त 1991 को आगरा में जन्मी लेग स्पिन गेंदबाज पूनम आज अपना 29वां जन्मदिन मना रही हैं। पूनम को शुरुआत से ही लड़कों जैसे कपड़े पहनना और उन्हीं के साथ क्रिकेट खेलना पसंद था. 8 साल की उम्र में पूनम को क्रिकेट का साथ ऐसा भाया कि उन्होंने इसी खेल में करियर बनाने की ठान ली. इसके बाद पूनम लगातार स्टेडियम जाने लगी, जहां टीम इंडिया की पूर्व क्रिकेटर हेमलता काला ने कोच के तौर पर उनकी प्रतिभा को पहचानकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पूनम को क्रिकेट से इतना प्यार था कि वो उसी खेल में लगी रहती थीं।

पाकिस्तानी कप्तान अजहर अली ने शतक जड़ा, बनाया रिकॉर्ड

इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन भी इतिहास रचने से 3 कदम दूर हैं। वह इस मैच में अब तक 56 रन देकर 5 विकेट ले चुके हैं। उनके टेस्ट विकेटों की संख्या 597 पहुंच गई है। वह 600 विकेट लेने से अब सिर्फ 3 विकेट दूर हैं। यदि वे इस टेस्ट में अपने 600 विकेट पूरे कर लेते हैं, तो यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज बन जाएंगे।

दिल्ली | एजेंसी।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में पाकिस्तान के कप्तान अजहर अली ने शानदार बल्लेबाजी की है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के समय वह 141 रन बनाकर नाबाद थे। उनके दम पर ही पाकिस्तान पहली पारी में 273 रन के स्कोर तक पहुंच पाई। हालांकि, पहली पारी के आधार पर वह इंग्लैंड से अब भी 310 रन पीछे है। इंग्लैंड ने पहली पारी 8 विकेट पर 583 रन पर घोषित की थी। अजहर अली इंग्लैंड के खिलाफ फॉलो-ऑन बचाने में भले ही नहीं सफल हुए हों, लेकिन उन्होंने कुछ व्यक्तिगत रिकॉर्ड जरूर अपने नाम कर लिए। वह बतौर कप्तान इंग्लैंड के

खिलाफ एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे पाकिस्तानी कप्तान बन गए हैं। बतौर पाकिस्तानी कप्तान इंग्लैंड के खिलाफ सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड हनीफ मोहम्मद के नाम है। हनीफ मोहम्मद ने 1967 में लार्ड्स के मैदान पर 187 रन की नाबाद पारी खेली थी। दूसरे नंबर पर जावेद मियांदाद हैं। मियांदाद ने 1992 में एजबस्टन में नाबाद 153 रन की पारी खेली थी। यही नहीं, अजहर अली टेस्ट क्रिकेट में 6000 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवें पाकिस्तानी क्रिकेटर भी बन गए हैं। अजहर ने यह उपलब्धि जोफ्रा आर्चर की गेंद पर चौका जड़कर हासिल की। अजहर अली ने मैच के तीसरे दिन आर्चर के 8वें ओवर की चौथी गेंद पर चौका लगाकर 6000 टेस्ट रनों का बेंचमार्क पार किया। टेस्?ट क्रिकेट में 6 हजार रन पूरे करने वाले जावेद मियांदाद पहले पाकिस्तानी क्रिकेटर थे। उनके अलावा इंजमाम उल हक, मोहम्मद यूसुफ और यूनिस खान भी यह उपलब्धि अपने नाम कर चुके हैं। वहीं, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन भी इतिहास रचने से 3 कदम दूर हैं। वह इस मैच में अब तक 56 रन देकर 5 विकेट ले चुके हैं। उनके टेस्ट विकेटों की संख्या 597 पहुंच गई है। वह 600 विकेट लेने से अब सिर्फ 3 विकेट दूर हैं। यदि वे इस टेस्ट में अपने 600 विकेट पूरे कर लेते हैं, तो यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज बन जाएंगे। एंडरसन इस समय सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वालों की सूची में चौथे नंबर पर हैं। उनसे पहले मुथैया मुरलीधरन (800), शेन वार्न (708) और अनिल कुंबले (619) हैं। मुरलीधनर, वार्न और कुंबले स्पिनर थे।

भारतीय ऑलराउंडर सफल होने के लिए करते थे टोटका

नई दिल्ली | एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम 1983 में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी थी। कपिल देव की कप्तानी में भारतीय टीम ने यह उपलब्धि हासिल की थी। 1983 वर्ल्ड कप फाइनल में मोहिंदर अमरनाथ प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। उन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया था। अमरनाथ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 26 रन बनाए, बाद में 7 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे। 1983 वर्ल्ड कप की विजेता टीम कपिल शर्मा के शो 'द कपिल शर्मा शो' में भी आ चुकी है। शो के दौरान ही मोहिंदर अमरनाथ ने अपने एक अंधविश्वास के बारे में बताया था। कपिल शर्मा ने कहा, 'जिमी सर हमने सुना है कि जब आप खेलने जाते थे, तो आपकी जेब में एक लाल रुमाल रहता था। आप क्या सोचकर रखते थे, कोई फास्ट बॉलर आएगा तो लाल रंग देखकर स्लो हो जाएगी बॉल। क्यों रखते थे सर आप?' इस पर मोहिंदर अमरनाथ ने बताया, 'हम जितने भी क्रिकेटर होते हैं, सूपर्स्टिशेयिस (अंधविश्वासी) हैं। कोई न कोई कुछ अलग करता है। कोई अलग चीजें करता है।' अमरनाथ ने बताया, 'लेकिन मेरे मामले में यह था कि मेरे पिता (लाला अमरनाथ) बहुत बड़े खिलाड़ी थे अपने वक्त के। हालांकि, मैंने कभी उनको खेलते नहीं देखा था। मैंने उनकी बातें सुनी थीं, बहुत ज्यादा। मुझे यह कहा जाता था कि जब वह खेलते थे तो वह लाल रुमाल रखा करते थे। मेरा यह ड्रीम था, एम्बीशन था कि मैं उनकी तरह बनना चाहता था। लेकिन मेरे में उतना टैलेंट नहीं था, जितना उनमें था।'

मोहिंदर ने बताया, 'मैंने सोचा ऐसी कौन सी चीज है, जो मुझे मदद कर सकती है। तो मैंने जब खेलना शुरू किया तो मैंने वह लाल रुमाल रखना शुरू कर दिया। जब भी मैं उसको रखता था अपनी पॉकेट में, तो मेरी परफॉर्मेंस होती थी। जब मैं कम बैक कर रहा था, तब भी मुझे बहुत कामयाबी उससे मिली।' अमरनाथ ने बताया, 'मुझे याद है कि एक टेस्ट मैच हम खेल रहे थे वेस्टइंडीज में। तब माइकल होल्डिंग ने कहा था कि इसका लाल रुमाल चोरी कर लो, तो शायद यह फेल हो जाएगा, क्योंकि मेरी वह सीरीज काफी अच्छी जा रही थी। तो लाल रुमाल इसलिए भी मेरा लकी कलर रहा है।' इतना कहते हुए मोहिंदर अमरनाथ ने अपने कोट की अंदर वाली जेब से वह लाल रुमाल निकाल के सभी को दिखाया। अमरनाथ ने कहा, 'मैं इसे ऐसे मौके पर रखता हूं, जो स्पेशल होते हैं। जैसे आपके साथ होने का मेरे लिए एक बहुत स्पेशल मौका है। कपिल ने कहा, थैंक्यू सर। अमरनाथ ने कहा, मैंने सोचा इससे बेहतर तो कुछ हो नहीं सकता है। इसलिए मैंने यह लाल रुमाल अपनी जेब में रखा हुआ है।'

बल्लेबाजों ने केकेआर के खिलाफ बनाए हैं सबसे ज्यादा रन

नई दिल्ली | एजेंसी।

बहुत जल्द इंडियन प्रीमियर लीग का रोमांच लौटने वाला है. सभी आईपीएल टीमें इस टूर्नामेंट के 13वें सीजन के लिए संयुक्त अरब अमीरात पहुंच चुकी है. आईपीएल के 12 सालों में हमने देखा है कि सभी टीमों के खिलाड़ी अपने खेल से काफी प्रभावित करते हैं. लेकिन कुछ बल्लेबाज ऐसे भी रहते हैं, जो आईपीएल की किसी एक टीम को निशाना बनाते हैं और उनके खिलाफ अपने बल्ले से जमकर रन बरसाते हैं. इसी के तहत इस लेख में हम आपको बताने जा रहे हैं. आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले उन 3 बल्लेबाजों के बारे में, जिनको केकेआर की टीम काफी रास आती हैं। मिस्टर आईपीएल सुरेश रैना इस लीग के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं. यूं तो रैना आईपीएल में हर टीम के खिलाफ रन बटौरते हैं. लेकिन बात जब कोलकाता नाइट राइडर्स को खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने की तो रैना उस मामले मे भी पीछे नहीं रहते हैं. चेन्नई सुपरकिंग्स के बल्लेबाज सुरेश

रैना ने केकेआर के खिलाफ 22 मुकाबलों में 818 रन बनाए हैं. जिसमें रैना का बैटिंग औसत 45.44 का रहा है. साथ ही रैना ने केकेआर पर 80 चौके और 28 छक्के भी बरसाए हैं। 4 बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ बल्लेबाजी करना काफी रास आता है. यही कारण है जो रोहित शर्मा ने केकेआर सामने खेल गए 25 मैचों में 45.77 की औसत से 824 रन जड़े हैं. इतना ही नहीं हिटमैन रोहित शर्मा ने इस टीम के खिलाफ 85 चौके और 28 छक्के भी लगाए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खब्बू बल्लेबाज डेविड वार्नर आईपीएल के हर सीजन में अपनी बल्लेबाजी का कमाल दिखाते हैं. वहीं अगर बात किसी एक आईपीएल टीम के विरुद्ध सबसे ज्यादा रन बनाने की तो उस मामले में भी वार्नर सबसे आगे हैं और उनकी पसंदीदा टीम कोलकाता नाइट राइडर्स है. जिसके खिलाफ वार्नर के बल्ले से 21 मुकाबलों में 43.63 की शानदार औसत से 829 रन निकले हैं. इसके अलावा डेविड वार्नर ने केकेआर के विरुद्ध खेलते हुए 2 शतक और 4 अर्धशतक भी ठोंके हैं।

एक नजर.....

सलमान ने भांजे को गोद में लेकर की गजानन की आरती यूलिया ने भी बप्पा को किया प्रसन्न

कोरोना काल में भी बॉलीवुड स्टार्स एहतियात बरतते हुए गणपति बप्पा की पूजा करने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। ऐसे में यह कहा जा सकता है इस साल भी लगभग सभी सेलेब्स धूमधाम से गणेश चतुर्थी का पर्व माना रहे हैं। इस बीच सलमान खान ने भी हार साल की तरह अपने परिवार के साथ मिलकर गणेश चतुर्थी बेहद शानदार तरीके से मनाई और भाईजान को भांजे को गोद में उठाकर बप्पा की आरती उतारते देखा गया। सलमान खान की बहन अर्पिता खान शर्मा अपने पति और बच्चों के साथ पूजा में दिखाई दी। वहीं एक दिन पहले अर्पिता को गणेश की मूर्ति भाई सोहेल खान के घर लाते स्पॉट किया गया था। सलमान खान गणपति पूजा में अपने भांजे और भांजी को भी साथ लिए थे,एक्टर ने भांजे को गोद में उठाकर बप्पा की आराधना की साथ ही सलमान खान भांजे को आरती की विधि सिखाते नजर आये। कोरोना महामारी को ध्यान में रखकर गणपति आरती के वक्त सलमान और बाकी लोगों ने चेहरे पर मास्क लगाया हुआ था। सभी ने एक-एक करके गणपति आरती की और भगवान के आगे माथा टेका।

वहीं इस गणपति पूजा में सलमान की दोस्त यूलिया वंतूर भी शामिल हुई। इस दौरान एक्ट्रेस ट्रेडिशनल कपड़ों में खूबसूरत नजर आई। वैसे ये कोई पहली बार नहीं जब यूलिया किसी भारतीय परंपरा में इस तरह दिखाई दी हो,क्योंकि इससे पहले यूलिया को महाशिवरात्री में भी उन्हें महादेव की पूजा करते देखा गया है। वलूशा डिसूजा ने भी गणपति की पूजा की। लॉकडाउन के दौरान वलूशा भी सलमान खान के फार्महाउस में ठहरी थीं। बाकि स्टार्स के अलावा सलमान खान की अम्मी और गुजरे जमाने की बेहतरीन अदाकारा हेलेन ने भी भगवान गणेश जी की आरती उतारी। साथ ही हेलेन बप्पा के सामने हाथ जोड़ती नजर आई। बता दें कि सलमान के घर गणेश चतुर्थी का त्यौहार किसी ईद-दिवाली के जश्न से कम नहीं होता। इन दिनों सलमान के घर मोदक-मिठाईयों और मेहमानों का सिलसिला जारी रहता है।

महेश भट्ट और रिया चक्रवर्ती के रिश्ते पर शत्रुघ्न सिन्हा ने उठाए सवाल

जब से सुशांत सिंह राजपूत का निधन हुआ है तभी से उनकी गर्लफ्रेंड रहीं रिया चक्रवर्ती पर सीधे सवाल उठाए जा रहे हैं। रिया चक्रवर्ती की महेश भट्ट के साथ तस्वीरों और चौट ने इस मामले में रिया और महेश के रिश्तों पर और सवाल उठा दिए हैं। सवाल किए जा रहे हैं कि आखिर रिया और सुशांत के रिश्ते में महेश भट्ट क्यों इतना इंट्रेस्ट ले रहे थे। अब रिया और महेश भट्ट के रिश्ते पर शत्रुघ्न सिन्हा ने भी सवाल उठाए हैं। इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, अगर मैं होता तो इन सब बातों को सीबीआई के सामने रखता। हमें अभी तक यह भी नहीं पता कि रिया और महेश भट्ट के बीच क्या रिश्ता है। क्या वह फादर हैं, गॉडफादर हैं या कुछ और ही रिश्ता है? मैं कभी इस लड़की (रिया) से नहीं मिला। महेश भट्ट ने क्या और किस आधार पर कहा, इस पर मैं कॉमेंट नहीं कर सकता क्योंकि मैं सारी बातें नहीं जानता। शत्रुघ्न ने कहा कि वह रिया से कभी भी नहीं मिले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सुशांत और रिया जैसे कलाकार उनके लिए बच्चे जैसे हैं क्योंकि उनकी उम्र में बहुत अंतर है। शत्रुघ्न ने यह भी कहा कि वह महेश भट्ट से पिछले 5 साल से नहीं मिले हैं। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि सारी बातें और हर ऐंगल सीबीआई के सामने रखा जाना चाहिए।

कपिल शर्मा के साथ दोबारा काम करने पर अब सुनील ग्रोवर ने कही यह बात

सुनील ग्रोवर जल्द ही नया शो गैंग्स ऑफ फिल्मीस्तान लेकर आ रहे हैं। इस शो में उनके साथ शिल्पा शिंदे हैं। सुनील ने हाल ही में इंटरव्यू के दौरान बताया कि उन्होंने इस शो के लिए अपनी फीस में कटौती की है। टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए सुनील ने कहा, हां...मुझे लगता है कि अभी जो सिचुएशन है इसमें हमें पे कट लेना होगा। हमें दूसरों की रोजी-रोटी के बारे में सोचना होगा। सुनील ने कहा, मैंने फैसला किया है कि इस शो से होने वाली कमाई को मैं दान में दूंगा।

कपिल के साथ दोबारा काम करने के सवाल पर सुनील बोले- अगर किस्मत में मेरा और कपिल शर्मा का साथ काम करना लिखा होगा तो हम जरूर करेंगे। अभी तो ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। सुनील ने आगे कहा, जब भी मेरा नया शो आता है तो लोग अक्सर कपिल शर्मा के बारे में पूछते हैं। हम कभी-कभी एक दूसरे से बात करते हैं। मैंने जब से शो छोड़ा है, तब से काफी वक्त बीत गया है। वक्त काफी चीजें बदल देता है।

गणपति बप्पा को घर बैठकर काम्या पंजाबी ने संजय दत्त की सलामती के लिए जलाई अखंड ज्योत

बॉलीवुड खलनायक संजय दत्त इस समय फेफड़ों के कैंसर से जूझ रहे हैं,इसी के चलते उनके फैंस और इंडस्ट्री से सभी लोग अभिनेता के जल्द ही स्वस्थ होने की दुआएं मांग रहे हैं। ऐसे में गणेश चतुर्थी के पवन अवसर पर संजू बाबा के कई फैन्स ने बप्पा से संजय दत्त की जल्दी ठीक हो जाने की प्रार्थना भी की। इस बीच टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अदाकारा काम्या पंजाबी ने बेहद खास तरीके से संजय दत्त के जल्द स्वास्थ्य की कामना की है। काम्या पंजाबी बीते दिन वह गणेश चतुर्थी के मौके पर गणपति महाराज को अपने घर लायी आई हैं। इसकी कुछ तस्वीरें काम्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है। इतना ही नहीं वैसे एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के माध्यम से ये भी बताया कि उन्होंने संजय दत्त के अच्छे स्वास्थ्य के लिए ज्योत प्रज्वलित की है।इस दौरान काम्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में एक ज्योत जलती हुई नजर आ रही है। काम्या ने इसके कैप्शन के जरिए बताया है कि ये अखंड ज्योत जो उन्होंने संजय दत्त के लिए जलाई है। काम्या ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, आपके जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं संजय दत्त। विघ्नहर्ता विघ्न दूर करो। बता दें कि कुछ दिनों पहले जब काम्या पंजाबी को संजय दत्त के कैंसर के बारे पता चला था। तब उन्होंने ट्विटर पर लिखा था, मैं अपने बप्पा से प्रार्थना करूंगी। इस साल गणेश स्थापना हमारे बाबा संजय दत्त के लिए प्रार्थनाओं से भरपूर होगी। मैं आपके लिए अखंड ज्योत जलाऊंगी। गौरतलब है कि 8 अगस्त को खबर आई थी कि संजय दत्त लंग कैंसर का शिकार हो गए हैं। दरअसल अभिनेता को अचानक सांस लेने में परेशानी होने लगी जिसके बाद उन्हें लीलावती अस्पताल में भर्ती करावाया गया।

इसके बाद से उनके जल्द ही ठीक होने की दुआएं भी मांगी जाने लगी,फिर

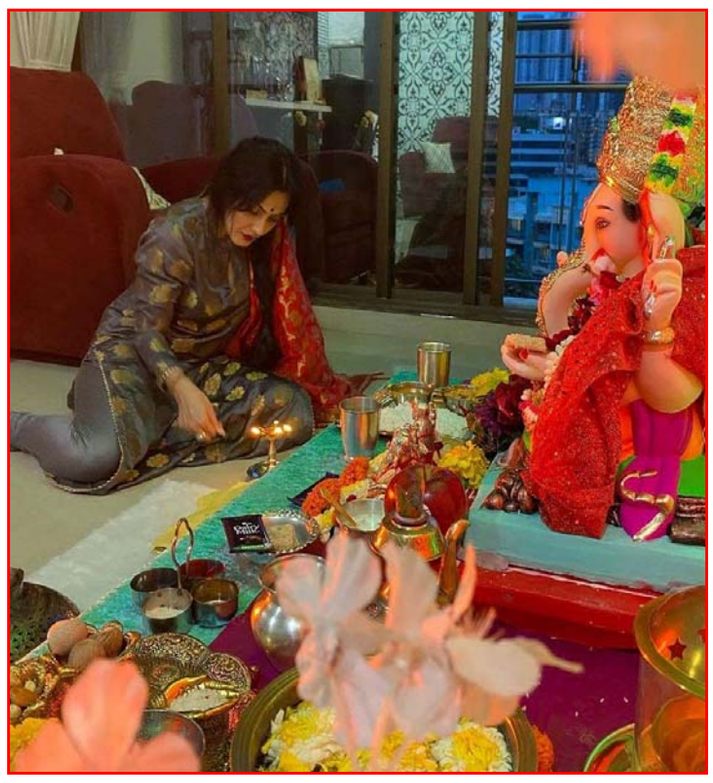

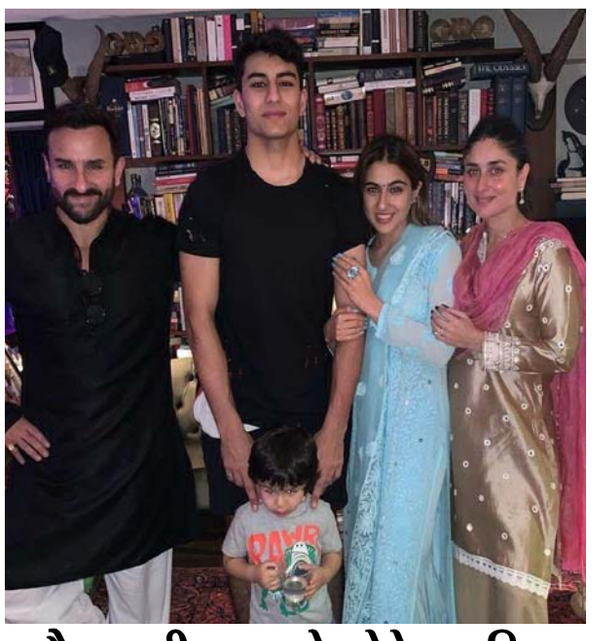

सैफअली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने 6 पैक एब्स दिखाए

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर सैफ अली खान के बड़े बेट इब्राहिम अली खान सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय होते हैं। हालांकि फिल्मों में अभी तक उनकी एंट्री नहीं हुई है लेकिन किसी सुपरस्टार से कम उनकी भी लोगों के बीच दीवानगी नहीं है। सारा अली खान के साथ अकसर इब्राहिम मस्ती और आउटिंग करते हुए नजर आते हैं। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और वीडियो वह सारा के साथ साझा करते हैं। इसी बीच इब्राहिम अली खान ने सोशल मीडिया पर शर्टलेस तस्वीर साझा की है जिसके बाद वह सुर्खियों में आ गए हैं। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नयी मोनोक्रोमतस्वीर इब्राहिम ने पोस्ट की है और उसमें वह अपनी मसल्स फ्लॉन्ट कर रहे हैं। इस तस्वीर के साथ इब्राहिम ने कैप्शन में लिखा, प्रक्रिया पर भरोसा रखें। इब्राहिम की यह बॉडी देखकर साफ प्रतीत होता है उन्होंने बहुत मेहनत की है। जिम में इस फिट बॉडी को पाने के लिए उन्होंने कितना पसीना बहाया है इस मसक्युलर बॉडी से अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि अपनी फिटनेस को लेकर इब्राहिम और सारा दोनों ही बहुत सजग हैं। कई बार एक साथ योगा या वर्कआउट करते दोनों को देखा गया है। बीते दिनों साइक्लिंग का मजा लेते हुए इब्राहिम और दोस्तों के साथ सारा ने कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की थीं। इस दौरान वह इब्राहिम के कंधे पर बैठी हुई दिखाई दे रहीं थी। इस तस्वीर में दोनों के बीच बहुत अच्छी बॉन्डिंग नजर आ रही थी। वैसे एक-दूसरे के बेहद अच्छे दोस्त भी इब्राहिम और सारा हैं। पिता सैफ मां अमृता और बहन सारा के फिल्मी कैरियर के बारे में हमें पता ही है लेकिन अब दर्शकों को इब्राहिम का बॉलीवुड में बेसब्री से इंतजार हो रहा है। अभी तक फिल्मों में आने पर कोई भी खबर सामने नहीं आई है। लेकिन इस तस्वीर पर फैंस ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है अब वह बड़े पर्दे पर आने की तैयारी कर रहे हैं।

कंगना रनौत मेंटल हेल्थ को लेकर भिड़ीं डॉक्टर्स से

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत अपने बेबाकी भरे अंदाज के लिए जानी जाती है। किसी भी मुद्दे पर कंगना बोल्ड बयान देती दिखाई देती हैं। ट्विटर पर हाल ही में उन्होंने एंट्री की है। हालांकि उनकी टीम से पहले ट्वीट किए जाते थे। अब वह खुद ट्वीट कर रही हैं। सबसे खास बात यह है कि जिन ट्वीट्स में यूजर ने टैग कर रहे हैं उनका जवाब भी कंगना दे रही हैं। कुछ ट्वीट्स मेंटल हेल्थ को लेकर सामने आये हैं। जिन लोगों ने उनके ज्ञान पर इस मामले में सवाल उठाए हैं उन्हें करार जवाब एक्ट्रेस ने दिए हैं। बता दें कि कंगना ने एक ट्वीट करते हुए लिखा था कि कोई मेडिकल प्रूफ मानसिक बीमारी का नहीं होता है। सच्चे टैलंट को मीडियॉकर लोग इसी का शिकार बता देते हैं और वर्चुअल इमोशनल लिंचिंग करते हैं। इसके बाद कंगना को एक न्यूरोसाईंटिस्ट ने जवाब देते हुए लिखा, क्या हर बात पर अपनी राय देना जरूरी है? जब तक सही जानकारी और अनुभव न हो तब तक अपने दायरे में रहना चाहिए। डॉक्टर पर पलटवार करते हुए कंगना ने ट्वीट किया और पूछा कि क्या कोई ब्लड रिपोर्ट मानसिक बीमारी को एक्सप्लेन कर सकती है? अगर मैं डिप्रेस हूं तो क्या मेरी ब्लड या स्कैन रिपोर्ट किसी स्वस्थ इंसान से अलग होगी? क्या एमआरआई रिपोर्ट में बाइपोलर या कोई साइकोलॉजिकल बीमारी दिखती है? इसके बाद कंगना को कई डॉक्टर्स ने जवाब दिया। इसी बीच राहुल नाम के एक डॉक्टर ने कहा कि इनको छोड़िए। उन्हें वाइट मैटर, ग्रे मैटर, न्यूरोट्रांसमिटर और उनके इंटरैक्शन के बारे में कुछ नहीं पता है। ये वही लोग हैं जो धार्मिक बातों को बिना किसी प्रूफ के मान लेते हैं लेकिन मेंटल हेल्थ जैसी सीरियस चीज के लिए सबूत मांगते हैं। डॉक्टर के जवाब पर कंगना ने कहा कि मुझे ग्रे मैटर, न्यूरॉन्स और उनके इंटरैक्शन के बारे में बता है। मैं साइंस स्टूडेंट रही हूं, ब्रेन पर प्रॉजेक्ट किया है, दिमाग का 3 डी मॉडल भी बनाया है। मैंने ह्यूमन साइकॉलजी पर प्राइवेट ट्यूशंस भी लिए हैं।इस पर कंगना को जवाब देते हुए एक यूजर ने लिखा कि साइकियाट्रिस्ट के पास जाने को साइकॉलजी में प्राइवेट ट्यूशन के तौर पर नहीं गिना जा सकता। तुमको तो हर चीज और हर किसी के बारे में सब पता है। यूजर को जवाब देते हुए कंगना ने कहा कि मैंने न्यूयॉर्क में स्क्रीन राइटिंग का कोर्स किया है जिसमें ह्यूमन साइकॉलजी 6 महीने के कोर्स का हिस्सा था। मैंने 2 साल के लिए इस कोर्स को पढ़ा था। मुझे भले ही सब कुछ ना पता हो पर काफी कुछ पता है, क्या इससे कोई तकलीफ है?सोशल मीडिया पर कंगना के इस जवाब के बाद उनके मीम्स ट्रेंड होना शुरू हो गए।

कंगना ने आमिर का फेक इंटरव्यू किया ट्वीट तो स्वरा भास्कर हाथ जोड़कर बोलीं- थक जा बहन

कंगना इसके बाद आमिर खान का एक फेक इंटरव्यू ट्वीट करने को लेकर जमकर ट्रोल हुईं। दोनों ऐक्ट्रेसेस के बीच सोशल मीडिया पर काफी नोक-झोंक हो चुकी है और अब स्वरा ने एक बार फिर रनौत को जवाब दिया है। दरअसल, स्वरा ने ट्विटर पर एक न्यूज आर्टिकल, जो कि कंगना से रिलेटेड है, पर कॉमेंट किया, थक जा बहन। इसके बाद उन्होंने 5 बार हाथ जोड़ने वाला इमोजी भी बनाया। बता दें, कंगना से रिलेटेड आर्टिकल में बताया गया कि उन्होंने आमिर का फेक इंटरव्यू ट्वीट किया और दावा किया कि वह अपने बच्चों को सिखाते हैं कि वे सिर्फ इस्लाम को फॉलो करें।

एस एस राजामौली की अपकमिंग फिल्म आरआरआर से आलिया भट्ट का हुआ पत्ता साफ

बाहुबली फेम डायरेक्टर की इस फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट को अहम भूमिका के चुना गया

साउथ इंडस्ट्री के जाने-माने डायरेक्टर एसएस राजामौली इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित बड़े बजट की मल्टीस्टारर फिल्म ट्रिपल आर के चलते लगातार सुर्खियों में छाए हुए हैं। बीते दिनों ही एस एस राजामौली ने कोरोना वायरस को मात देकर एक बार फिर फिल्म की शूटिंग को पूरी करने की तैयारियों में लगे हुए हैं। इस फिल्म में तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के दो फेमस कलाकार जूनियर एनटीआर और राम चरण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह पहला मौका है जब एनटीआर और राम चरण एक फिल्म के लिए साथ काम कर रहे हैं। बाहुबली फेम डायरेक्टर की इस फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट को अहम भूमिका के चुना गया है। लेकिन इस बीच आ रही खबरों ने सभी को हैरान कर दिया है। जी हां, सुनने में आ रहा है कि फिल्म आरआरआर से आलिया भट्ट का पत्ता साफ हो गया है क्योंकि इस फिल्म के लिए बाकि फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त होने के कारण डेट्स नहीं निकाल पा रही हैं। सूत्रों से पता चला है कि राजामौली आरआरआर में ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा को आलिया भट्ट की जगह लेने की योजना बना रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि आलिया भट्ट ने पहले ही राजामौली को फिल्म छोड़ने के बारे में अवगत करा दिया था और निर्देशक ने रोमांस चरण के साथ ऑनस्क्रीन रोमांस करने के लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश शुरू कर दी है। यह भी सुनने में आ रहा है कि राजामौली की इस फिल्म में राम चरण और प्रियंका चोपड़ा एक दूसरे के साथ रोमांस करते हुए नजर आ सकते हैं। इस फिल्म से पहले प्रियंका चोपड़ा और राम चरण ने फिल्म जंजीर में भी एक साथ काम किया है, दर्शकों ने दोनों की जोड़ी को फिल्म में काफी पसंद भी किया था। इस बीच ब्रिटिश एक्ट्रेस ओलिविया मॉरिस फिल्म में जूनियर एनटीआर से रोमांस करने के लिए तैयार हैं। इस समय सभी फैंस एस एस राजामौली की ऑफिशियल अनाउंसमेंट का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे।

श्वेता सिंह कीर्ति की शादी का वीडियो वायरल, स्टेज पर बहन को गले लगाकर बधाई दे रहे सुशांत

सुशांत सिंह राजपूत केस की लेकर सीबीआई जांच तेजी से हो रही है और उनसे जुड़े लोगों से लगातार पूछताछ हो रही है। इस वक्त सुशांत का एक पुराना वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जो उनकी बहन श्वेता सिंह कीर्ति की शादी का है। वीडियो को किसी और ने नहीं बल्कि खुद उनके जीजा विशाल कीर्ति ने शेयर किया है। विशाल ने लगातार 3 वीडियो शेयर किए हैं, जो उनकी शादी के हैं। इस वीडियो में सुशांत अपनी बहन की शादी अटेंड करते नजर आ रहे हैं।

सुब्रमण्यन स्वामी का आरोप- सुशांत सिंह राजपूत से मिला था दुबई की ड्रग डीलर

सुशांत सिंह राजपूत के केस में लगातार नए आरोप सामने आ रहे हैं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यन स्वामी लगातार सुशांत के मामले पर मुखर रहे हैं और उनका आरोप है कि सुशांत ने आत्महत्या नहीं की है बल्कि उनका मर्डर किया गया है। स्वामी पहले भी कई तरह के आरोप लगा चुके हैं और उनका मानना है कि सुशांत की हत्या में अंडरवर्ल्ड का हाथ हो सकता है। अब स्वामी एक नए आरोप के साथ सामने आए हैं। बीजेपी सांसद स्वामी ने नया दावा करते हुए सवाल उठाया है कि आखिर सुशांत की मौत के दिन उनसे दुबई का एक ड्रग डीलर अयाश खान क्यों मिला था? स्वामी ने सुशांत सिंह राजपूत की ही तरह श्रीदेवी के मामले को भी संदिग्ध बताया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, सुनंदा पुष्कर के केस में अहम यह था कि पोस्टमॉर्टम में उनके पेट में एम्स के डॉक्टरों को क्या मिला। लेकिन ऐसा श्रीदेवी या सुशांत के मामले में नहीं हुआ। सुशांत के केस में एक दुबई का ड्रग डीलर आयश खान सुशांत के मर्डर के दिन उनसे मिला था, क्यों? बता दें कि सुब्रमण्यन स्वामी की तरह ही कई अन्य लोगों का यह आरोप है कि सुशांत सिंह राजपूत की हत्या की गई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई अब सुशांत के केस की जांच हर ऐंगल से कर रही है। सीबीआई ने सुशांत के केस की सारी डीटेल्स मुंबई पुलिस से लेने के बाद अब संबंधित लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है।

सलमान खान क्यों नहीं कर रहे हैं फिल्म राधे की शूटिंग?

जहां तक फिल्मों का सवाल है तो ज्यादा फिल्मों की शूटिंग शुरू नहीं हुई है। बड़े सितारे शूटिंग से दूर हैं। अक्षय कुमार और आमिर खान ने भारत की बजाय विदेश में शूटिंग करने का फैसला किया है। अक्षय कुमार फिल्म बेलबॉटम की शूटिंग के लिए लंदन पहुंच गए हैं तो आमिर खान लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग तुर्की में कर रहे हैं। हालांकि तुर्की में उन्होंने ऐसा कदम उठाया है जिसका तूफान भारत में आया है। बॉलीवुड के बड़े स्टार्स में से एक सलमान खान इस समय फिल्मों की शूटिंग से दूर हैं। उनके रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 14 के प्रोमो में वे जरूर नजर आ रहे हैं जो सितंबर के आखिरी सप्ताह से शुरू होने वाला है, लेकिन फिल्मों से अभी वे दूर हैं। उनकी फिल्म राधे की ज्यादा शूटिंग बाकी नहीं है, लेकिन अब तक सलमान ने इस फिल्म की शूटिंग आरंभ नहीं की है। आखिर क्यों? इस बारे में फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया- सलमान खान फिलहाल किसी भी तरह का जोखिम उठाने के मूड में नहीं हैं। न अपने लिए न फिल्म से जुड़े कलाकारों और क्रू मेंबर्स के लिए। सलमान जानते हैं कि इस समय स्थितियां सामान्य नहीं हैं इसलिए वे कुछ दिनों का इंतजार करना चाहते हैं। वैसे भी फिल्म की रिलीज की अब कोई हड़बड़ी नहीं है। ईद निकल चुकी है। सिनेमाघर बंद है इसलिए वे अपना काम इत्मीनान से करना चाहते हैं। फिल्म की रिलीज की प्लानिंग क्या है? पूछने पर उस सूत्र ने बताया- अभी कुछ भी तय नहीं है, लेकिन यह फिल्म सलमान सिनेमाघर में ही रिलीज करना चाहते हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जाने का उनका कोई इरादा नहीं है। संभवतः यह फिल्म अब 2021 में ही रिलीज होगी।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।